

# सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 233 ता. 11 मार्च 2022, शुक्रवार, कार्यालय: 114, न्यु प्रियंका टाउनशिप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत ( गुजरात ) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com



/Suratbhumi.com



/Suratbhumi



/Suratbhumi



/Suratbhumi



/Suratbhumi

मोदी का

## मैजिक कायम

कसान आंदोलन

महंगाई और बेरोजगारी सब पर पड़ गया भारी



नई दिल्ली ।

भाजपा ने 2019 के आम चुनाव में बंपर जीत हासिल की थी, लेकिन अगले ही साल कोरोना ने दस्तक दी और फिर किसान आंदोलन की शुरुआत हो गई। इसके अलावा विपक्ष की ओर से देश में महंगाई और बेरोजगारी को भी बढ़ा मुद्दा बनाया गया था। एक तरफ पश्चिम यूपी की किसान आंदोलन को मुद्दा बताया जा रहा था तो वहीं उत्तराखंड में तीन मुख्यमंत्री बनाए जाने की भी चर्चा थी। लेकिन ये सभी मुद्दे नहीं चल पाए

और अंत में रिजल्ट आया तो 5 राज्यों में से 4 में भाजपा जीत की ओर बढ़ चली है। खासतौर पर उत्तर प्रदेश की जीत अहम है, जहां 35 सालों बाद कोई पार्टी सत्ता में वापसी कर रही है। इसके अलावा उत्तराखंड में मुख्यमंत्रियों का बदलना भी भाजपा के उतना खिलाफ नहीं गया, जितना माना जा रहा था। 2000 में उत्तराखंड के गठन के बाद यह पहला मौका है, जब किसी पार्टी को लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल हुई है। वहीं मणिपुर में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है और 60 में से 25 सीटें जीतती दिख रही है। साफ है कि सरकार बनाने की स्थिति में वही है। 40 सीटों वाले गोवा में भी भाजपा 19 सीटों पर बढ़त हासिल कर रही है। इसका मतलब यह हुआ कि इस बार की चुनावी जंग भाजपा 4-1 से जीत रही है। इस बड़ी जीत के पीछे मोदी मैजिक को भी माना जा रहा है। विपक्षी नेताओं और कुछ राजनीतिक जानकारों का मानना था कि मोदी मैजिक कमजोर हो रहा है, लेकिन नतीजों ने ऐसे तमाम दावों को गलत साबित कर दिया है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड समेत सभी राज्यों में भाजपा की ओर से मुफ्त राशन और मकान दिए जाने की बात कही जा रही थी। पीएम आवास योजना, राशन स्क्रीम और उज्वला जैसी तमाम योजनाओं का भाजपा ने जमकर प्रचार किया था। सीएम योगी आदित्यनाथ तो लगभग हर सभा में बताते थे कि राज्य में 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। लेकिन यह स्क्रीम केंद्र सरकार की ही रही है। ऐसे में माना जा रहा है कि केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं ने काम किया है और उसका असर नतीजे के तौर पर दिख रहा है।

यूपी में फिर

# योगी सरकार

फिर मिला पूर्ण बहुमत

## 270 सीटें

लखनऊ ।

झोली में आयीं

सीटें

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में एक बार फिर 'कमल' खिल गया है। तीन दशकों से चर्चा में रहे कई मिथकों को तोड़ते हुए भारतीय जनता पार्टी सूबे की सत्ता में दोबारा कब्जा हुई है। हालांकि साल 2017 के मुकाबले भाजपा अपने सहयोगियों के साथ 325 सीटें पाने में कामयाब हुई थी लेकिन इस बार उसे 270 सीटों से ही संतोष करना पड़ा है। लेकिन जनता ने इस बार भी उसे स्पष्ट बहुमत दिया है। हालांकि योगी सरकार के कई मंत्री चुनाव हार गये। लेकिन विपक्ष किसी भी मुद्दे को लेकर भाजपा सरकार को घेरने में सफल नहीं हुई। गुरुवार सुबह आठ बजे शुरू हुई मतगणना में भाजपा ने प्रारम्भ से ही बढ़त बनानी शुरू कर दी थी। दोपहर होते-होते तक भाजपा 200 के आंकड़ों को रूझानों में पार कर चुकी थी। बाद में देर शाम तक उसने अपने सहयोगियों के साथ 270 सीटें हासिल कर बहुमत के 202 के आंकड़े को भी बहुत पीछे छोड़ दिया। हालांकि निर्वाचन आयोग देर रात तक ही अधिकृत तौर पर परिणामों की घोषणा करेगा। चुनावों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर संसदीय विधानसभा सीट से प्रचण्ड जीत हासिल की। पहली बार विधानसभा चुनाव के मैदान में उभरे योगी आदित्यनाथ ने निकटतम प्रतिद्वंदी समाजवादी पार्टी की सुभाषती शुक्ला को 1,02,399 मतों से शिकस्त दी। वहीं समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने मैनपुरी जिले की करहल सीट से अपने निकटतम प्रतिद्वंदी केन्द्रीय मंत्री एवं भाजपा प्रत्याशी

एसपी सिंह बघेल को 66782

मतों से हराया।

वहीं योगी सरकार में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कौशांबी जिले की सिराथू विधानसभा सीट पर सपा प्रत्याशी पल्लवी पटेल से काटे की टक्कर में हैं। उधर, विधानसभा चुनाव की तरीक की घोषणा होते ही पाला बदलने वाले योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ धर्म सिंह सैनी को हार झेलनी पड़ी है। प्रदेश में अपने को कदावर नेता बताने वाले इन दोनों नेताओं को भाजपा प्रत्याशियों ने शिकस्त दी। कुशीनगर जिले के फाजिलनगर से भाजपा के प्रत्याशी सुरेंद्र कुशवाहा ने समाजवादी पार्टी के स्वामी प्रसाद मौर्य को 36 हजार से अधिक वोट से हराया। सहारनपुर के नकुड़ से भाजपा प्रत्याशी मुकेश चौधरी ने समाजवादी पार्टी के डॉ. धर्म सिंह सैनी को पराजित किया। यहां पर बसपा के साहिल तीसरे स्थान पर रहे। वहीं भाजपा तथा निपाद दल की प्रत्याशी केतकी सिंह ने बलिया की बांसडीह सीट से भाजपा की केतकी सिंह ने समाजवादी पार्टी के कदावर नेता रामगोविंद चौधरी को हराया। 2017 में केतकी सिंह निर्दलीय चुनाव लड़कर तीसरे स्थान पर थीं। केतकी सिंह को 38,939 मत मिले। रामगोविंद चौधरी को 35,611 वोट मिले हैं। वहीं भाजपा ने गौतमबुद्धनगर में कलीन स्वीप किया है।



भाजपा

ने यहां की

तीनों सीट पर जीत

दर्ज की है। इसके साथ ही

भाजपा के नोएडा से प्रत्याशी फंक्ज

सिंह ने रिकार्ड वोट से जीत दर्ज की है। प्रदेश

विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और सिद्धार्थनगर जिले की इटवा

से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी माता प्रसाद पाण्डेय ने

सिद्धार्थनगर की इटवा सीट पर योगी आदित्यनाथ सरकार में

बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश चंद्र द्विवेदी को हराया है। माता

प्रसाद पाण्डेय ने 3336 मत से जीत दर्ज की है।

## पंजाब में आप का उदय और उत्थान



### पंजाब में आप ने चला दी झाड़ू

पंजाब में आप की बंपर जीत के लिए केजरीवाल ने पंजाब के लोगों को दी बधाई

नई दिल्ली । पंजाब विधानसभा चुनाव के मतगणना में बंपर जीत की ओर अग्रसर आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रुझानों में अपनी पार्टी के निर्णायक बढ़त बनाने के बाद गुरुवार को कहा कि वह 'इस इंकलाब के लिए' राज्य के लोगों को बधाई देते हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने ट्वीट किया, 'इस इंकलाब के लिए पंजाब के लोगों को बहुत-बहुत बधाई।' उन्होंने पंजाब में आप के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार भगवंत मान के साथ एक तस्वीर भी साझा की।

आप ने इस बार 2022 के विधानसभा चुनावों में 117 सीटों वाली पंजाब विधानसभा में 90 से अधिक सीटों पर जीत हासिल की

नई दिल्ली ।

पंजाब में इस विधानसभा चुनाव ने दो पूर्व मुख्यमंत्रियों प्रकाश सिंह बादल और कैप्टन अमरिंदर सिंह के साथ-साथ मौजूद सीएम चरणजीत सिंह चन्नी और पंजाब की राजनीति के कई अन्य दिग्गजों को आम आदमी पार्टी (आप) के विजयी रथ ने कुचल दिया है। यह सिर्फ एक साधारण जीत नहीं है। दरअसल, आप ने इस बार 2022 के विधानसभा चुनावों में 117 सीटों वाली पंजाब विधानसभा में 90 से अधिक सीटों

पर जीत हासिल की। यह पहली बार है कि पार्टी ने दिल्ली से परे अपने राजनीतिक पदचिह्न का विस्तार किया है। लेकिन सवाल यह है कि 9 साल की एक पार्टी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को कैसे हासिल कर पाई? दिसंबर 2013 में केवल 49 दिनों के लिए राष्ट्रीय राजधानी में आप की सरकार बनने के बाद, इसने तुरंत राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया। पार्टी को छवि को उसके राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की छवि द्वारा ले जाया गया, जो उस समय भ्रष्टाचार विरोधी योद्धा थे। एक महीना भी नहीं बीता था, साफ-सुथरी छवि पेश करते हुए आप ने दिल्ली से बाहर के लोगों तक पहुंचना शुरू कर दिया। तब जनवरी, 2014 में, दिल्ली उच्च न्यायालय के एक वरिष्ठ

अधिवक्ता एचएस फूलका, जिन्हें 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों के लिए न्याय पाने के लिए कानूनी लड़कें का नेतृत्व करने के लिए जाना जाता था, आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। हालांकि, 2019 में उन्होंने पार्टी छोड़ दी। दो महीने बाद, मार्च 2014 में, कामेंडियन से राजनेता बने भगवंत मान भी पार्टी युगों में शामिल हो गए। यह मान ही थे जिन्होंने पार्टी के लिए पूरी तरह से पलटवार किया। आम चुनावों के लिए केवल दो महीने शेष रहने के साथ, मान ने कई गांवों का दौरा करना शुरू कर दिया और लोगों से संपर्क करना शुरू कर दिया, जिसका अंततः परिणाम आया क्योंकि सिर्फ एक साल पुरानी पार्टी मई 2014 के संसदीय चुनावों में 4 एमपी सीटें हासिल करने में

कामयाब रही, जिसमें नरेंद्र मोदी की लहर का वर्चस्व था। चारों सीटें पंजाब की थीं। मान ने अकाली दल के वरिष्ठ नेता सुखदेव सिंह खंडसा को हराकर और वह भी 1 लाख से अधिक मतों से पराजित किया। एक साल बाद 2015 में, आप ने 70-सदस्यीय विधानसभा में 67 सीटों के भारी बहुमत के साथ दिल्ली में सरकार बनाई, जिसमें उसकी प्रतिद्वंदी भाजपा केवल तीन सीटों पर सिमट गई और कांग्रेस एक खाली स्थान पर रही। 48 वर्षीय मान ने कई मुद्दों पर संसद में अपने शक्तिशाली भाषणों के माध्यम से दिन-प्रतिदिन प्रमुखता से उठना शुरू किया। फिर एक साल बड़े पैमाने पर किसानों के विरोध प्रदर्शनों का आया जहां आप और उसके नेताओं ने किसानों को व्यापक समर्थन दिया।

### योगी की जीत पर गदगद मुलायम की बहू, राम राज्य आने की उम्मीद

लखनऊ। चुनाव के नतीजे पूरी तरह साफ हो चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी (सपा) को सीधे मुकाबले में करारी शिकस्त दी है। भारतीय जनता पार्टी 262 सीटों पर जीत/बहुत के साथ सरकार बनाने जा रही है, जबकि सपा 135 सीटों पर सिमटती दिख रही है। बीजेपी की प्रचंड जीत पर मुलायम की छोटी बहू अर्पणा यादव और हाल ही में बीजेपी में आई अर्पणा यादव गदगद हैं। अर्पणा यादव ने अपनी खुशी जाहिर कर राम राज्य आने की उम्मीद जाहिर की। अर्पणा यादव ने ट्वीट किया, बाबा को सजने जा रहा है, फिर से ताज। आगामी राम राज्य जय श्री राम 1% अर्पणा चुनाव के दौरान सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुई। अर्पणा सीएम योगी और पीएम नरेंद्र मोदी की तब से मुरीद हैं, जब वह सपा में ही थीं। अर्पणा यादव को भाजपा ने किसी सीट से टिकट नहीं दिया है। उन्हें प्रचार अभियान की जिम्मेदारी दी गई थी। अर्पणा ने यूपी के कई जिलों में दर्जनों सभाएं कीं और पार्टी के लिए प्रचार में व्यस्त रहीं। अर्पणा सीएम योगी आदित्यनाथ को अपना भाई बताती हैं।

### मुनवर राणा के घर के बाहर बड़ी सुरक्षा, योगी को लेकर दिया था बयान

लखनऊ ।

यूपी चुनाव के नतीजों के बीच शायर मुनवर राणा के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। लखनऊ में मुनवर राणा की कॉलोनी के गेट को बंद कर दिया गया है। इसके साथ-साथ घर के आस-पास पूरे इलाके को पुलिस फोर्स की तैनाती हो गई है। बता दें कि उन्होंने नतीजों से पहले कहा था कि अगर योगी दुबारा सीएम बनते हैं, तब मैं यूपी छोड़ दूंगा।

### भाजपा नेत्री हेमा मालिनी बोली- बुलडोजर के आगे कुछ भी नहीं टिक सकता

लखनऊ। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा 265 सीटों के साथ लगातार बढ़त बनाए है वहीं अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी 133 सीटों पर आगे चल रही है। एक तरफ जहां रुझानों के बाद बीजेपी में जय का माहौल है। वहीं अखिलेश यादव की तरफ से ट्वीट करके नतीजों के पक्ष में आने का दावा किया गया है। सपा की तरफ से कहा गया कि 100 से अधिक सीटों पर वोटों का अंतर 500 से कम का है। सपा ने अपने ट्वीट में लिखा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के रुझानों में 100 सीटों का अंतर 500 वोटों के करीब है, समाजवादी पार्टी गठबंधन के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं नेताओं से अपील है कि वो सतर्कता बनाए रखें। बीजेपी सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि हम पहले से जानते थे कि हमारी सरकार बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि महंगाई आगे पीछे होती रहती है कोई भी सरकार आती है तो, मुद्दा ये है कि महिलाओं को सुरक्षा दे रहे हैं या नहीं, महिलाएं पिछली सरकार में काफी परेशान थीं। अब महिलाएं हर क्षेत्र में सुरक्षित हैं। हेमा मालिनी ने आगे कहा कि बुलडोजर के आगे कुछ नहीं आ सकता क्योंकि मिंटों में यह किसी भी चीज को खत्म कर सकता है, चाहे वो साइकिल हो या फिर कुछ भी हो।

### पीएम नरेंद्र मोदी ने विधानसभा चुनावों में बीजेपी के शानदार प्रदर्शन पर लोगों का आभार माना

नई दिल्ली । पीएम नरेंद्र मोदी ने पांच राज्यों के चुनावों में बीजेपी के शानदार प्रदर्शन पर लोगों का आभार माना है। पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज उसाह का दिन है, उसका दिन है। ये उसका दिन है जो लोकतंत्र के लिए है। मैं इन चुनावों में हिस्सा लेने वाले सभी मतदाताओं को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ। उनके निर्णय के लिए मतदाताओं का आभार व्यक्त करता हूँ। विशेष रूप से हमारी महिलाओं और युवाओं का जिन्होंने बीजेपी को जो समर्थन दिया वह बड़ा संतोष है। फर्स्ट टाइम वोटर ने बहू चक्रवर्तियों में हिस्सा लिया और बीजेपी की जीत पके की की। चुनाव के दौरान बीजेपी कार्यकर्ताओं ने मुझसे वादा किया था कि इस बार हमें 10 मार्च से शुरू हो जाएगी और कार्यकर्ताओं ने यह करके दिखाया है। मैं कार्यकर्ताओं को प्रशंसा करूंगा जिन्होंने दिन-रात देते बिना इन चुनावों में कड़ी मेहनत की और जनता-जनान का विश्वास जीतने में सफल रहे। इन कार्यकर्ताओं का जिन्होंने नेतृत्व किया, उन पार्टी प्रमुख जेडी नड्डा को बधाई देता हूँ, कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम ने आज एनडीए के लिए जीत का चौका लगाया है। उन्होंने कहा कि इन चुनावों ने 2024 के नतीजे तय कर दिए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यूपी ने देश को अनेक प्रधानमंत्री दिए हैं, लेकिन 5 साल का कार्यकाल पूरा करने वाले मुख्यमंत्री के दोबारा चुने जाने का ये पहला उदाहरण है। यूपी में 37 साल बाद कोई सरकार लगातार दूसरी बार आई है। तीन राज्य, यूपी गोवा और मणिपुर में सरकार में होने के बावजूद बीजेपी का वोट शेयर बढ़ा है। गोवा में सरे एक्जिट पोल गलत निकले और वहां की जनता ने तीसरी बार सेवा का मोका दिया। 10 साल तक संदे ता में रहने के बाद भी राज्य में बीजेपी की सीटें बढ़ी हैं। उत्तराखंड में भी लगातार दूसरी बार कोई पार्टी सत्ता में आई है।

### जातिवाद, परिवारवाद और वंशवाद को तिलांजलि देकर जनता ने दिया भाजपा को आशीर्वाद : योगी

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता ने परिवारवाद, जातिवाद और वंशवाद को तिलांजलि देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोक कल्याणकारी नीतियों पर भरोसा जताया है। पार्टी के राज्य मुख्यालय पर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को जीत की बधाई देते हुए मुख्यमंत्री योगी ने उत्तर प्रदेश के साथ-साथ गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर खुशी भी जताई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चार राज्यों में भाजपा की प्रचंड बहुमत की सरकार बनने जा रही है। इन चार राज्यों में प्रधानमंत्री के विकास और सुशासन को जनता ने फिर से आशीर्वाद दिया है। उन्होंने कहा कि जब मोदी जैसा नेता होता है तो ऐसा प्रचंड बहुमत हासिल होता है। हमारा सौभाग्य है कि हमें दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी का नेतृत्व और मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। कहा कि मोदी जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश एक बार फिर नंबर वन बनेगा। अबीर-गुलाल उड़ रहे उसाह से लबरेज कार्यकर्ताओं की मेहनत की भी मुख्यमंत्री ने सराहना की। जय श्रीराम, वंदेमातरम और भारत माता की जय के जोशीले नारों के बीच मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रचंड जीत ने हम सबको बड़ी जिम्मेदारी दी है। हमें जोश के साथ होश भी बनाये रखना होगा। जन मानस की अपेक्षाओं के अनुरूप खुद को साबित करना होगा। उन्होंने प्रचंड जीत के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा का अभिनन्दन भी किया। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है। उत्तर प्रदेश पर विशेष रूप से पूरे देश और दुनिया की निगाहें थीं। पहली बार 07 चरणों में हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव शांति पूर्ण तरीके से संपन्न हुए। मतगणना के बारे में जो प्रामाणिक प्रचार पिछले दो-तीन दिनों से चलए जा रहे थे।





# राहुल के बाद प्रियंका गांधी भी नहीं दे पाई कांग्रेस को ऑवसीजन, नेतृत्व पर फिर उठने लगे सवाल



नई दिल्ली।

देश के पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव की मतगणना में

सबसे बुरी स्थिति में है। इसके अलावा गोवा में भी उसकी सीटों में कमी आई है। मणिपुर में भी कांग्रेस को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश में पूरा मुहिम संभाल रखा था। लड़की हूँ लड़ सकती हूँ का नारा देकर कांग्रेस उत्तर प्रदेश में अपनी जमीन को मजबूत करने में जुटी थी। उत्तर प्रदेश में भी 2017 के मुकाबले कांग्रेस को बड़ा नुकसान होता दिखाई दे रहा है। फिलहाल कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में 1 सीट मिलती दिखाई दे रही है। पांच राज्यों में हुए चुनाव में देखें तो राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने

खुब प्रचार किया था। लेकिन जिस तरीके से रणनीति में कांग्रेस का प्रदर्शन दिखाई दे रहा है। उससे कहीं ना कहीं एक बार फिर से कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल उठने शुरू हो जाएंगे। सवाल यह है कि क्या राहुल गांधी के बाद अब प्रियंका गांधी भी चुनावी राजनीति में फेल होती दिखाई दे रही है क्योंकि उन्होंने पूरा ताकत उत्तर प्रदेश में झोंक दिया था। बावजूद इसके कांग्रेस को बड़ा नुकसान होता दिखाई दे रहा है। इसके अलावा वह पंजाब और मणिपुर में भी गई थी जहां उन्होंने पार्टी के लिए प्रचार किया। प्रियंका और राहुल ने ही

## संक्षिप्त समाचार



### युद्धग्रस्त यूक्रेन के सूमी शहर में फंसे 600 भारतीय छात्र पोलैंड पहुंचे

नई दिल्ली। रूसी हमले से बेजार यूक्रेन के उत्तरपूर्वी सूमी शहर से निकाले गए 600 भारतीय छात्रों का आखिरी बड़ा समूह पोलैंड पहुंच गया है। छात्र लंबी राह से पोलैंड के लिए एक विशेष ट्रेन में सवार हुए। उनके बृहस्पतिवार को भारत के लिए उड़ानों में सवार होने की संभावना है। छात्र एक विशेष ट्रेन से पोलैंड से पश्चिमी यूक्रेन में लंबी राहें तय कीं। मेडिकल की 25 वर्षीय छात्रा जिस्का जिजी ने कहा, "हम पोलैंड पहुंच गए हैं, यहां से हमारे भारत के लिए उड़ान भरने की संभावना है।" यूक्रेन में परिवहन के विभिन्न माध्यमों का इस्तेमाल कर सैकड़ों मील की दूर तय करके छात्रों को युद्धग्रस्त यूरोपीय देश से निकाला जा रहा है। भारत सरकार यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए 'ऑपरेशन गंगा' अभियान चला रही है। सूमी में यह अभियान मंगलवार सुबह शुरू हुआ जब 600 भारतीयों के आखिरी बड़े समूह को शहर से निकाला गया। एक छात्र संयोजक अनशाद अली ने बताया कि 'इंटरनेशनल कमिटी ऑफ रेड क्रॉस' की मदद से भारतीय नागरिकों को 13 बसों के काफिले में सूमी से ले जाया गया। उन्हें सूमी से निकालने का यह दूसरा प्रयास था। मदद से भारतीय नागरिकों को 13 बसों के काफिले में सूमी से ले जाया गया। उन्हें सूमी से निकालने का यह दूसरा प्रयास था। पिछले महीने यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से सूमी में भारी गोलाबारी हो रही है।

### एमपी विधानसभा में गौशाला में गायों की मौत मातलामा गरमाया, कांग्रेस ने किया बहिर्गमन

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा में गौशाला में गायों की मौत मामले को लेकर सदस्य ने जमकर हंगामा हुआ। मामले को कांग्रेस के विधायकों ने उठाया। सरकार की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर मामला गरमाया। कांग्रेस विधायकों ने न सिर्फ नारेबाजी की बल्कि सदन से वॉकआउट भी कर दिया। कांग्रेस ने गौ ग्रास का पैसा बढ़ाने और गौ हत्या के मामले में सदन का वॉकआउट किया। वहीं वॉकआउट के बाद कांग्रेस नेता सुखदेव पासे और कांतिलाल भूरिया का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गायों की मौत बंद हो, गायों के हत्यारों पर कार्रवाई हो। बीजेपी सरकार चारे का पैसा सरकार खा गई। उन्होंने कहा कि कमलनाथ जब सीएम थे तब 1 हजार गौशालाओं का निर्माण हुआ था। कथित गौसेवा वाली पार्टी बीजेपी की सरकार में चारे की कटौती से गाय भूखी मर रही है। यह बहुरूपी सरकार है। चारे की कटौती से गाय भूखी मर रही है। यह बहुरूपी सरकार है। सरकार बनने के बाद गाय के मुद्दे को भूल जाती है बीजेपी।

### भाजपा दिग्गज रुझानों से गदगद, पार्टी में जश्न का माहौल

नई दिल्ली। पांच राज्यों में पंजाब छोड़ अन्य चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में मतगणना के रुझानों भाजपा गदगद है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हर वर्ग के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व का समर्थन किया है। ठाकुर ने कहा, 'पिछले पांच साल में योगी जी ने विकास की नई गाथा लिखी है- सभी लोगों ने योगी जी और मोदी जी को आशीर्वाद दिया है। नागरिक उद्यम मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, 'जनता ने डबल इंजन सरकार में विश्वास जताया है। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, 'जनता ने विश्वास दिया है कि भाजपा का शासन अच्छा है। उन्होंने कहा कि दिग्गज का ईवीएम पर दोष देना बतल है। लोकतंत्र में जनता जिसको आशीर्वाद दे उस पर विश्वास किया जाना चाहिए। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा भाजपा विजय का नया इतिहास लिख रही है। यह चुनाव तमाम वादोंभाजपा विजय का नया इतिहास लिख रही है। यह चुनाव तमाम वादों से ऊपर उठ गए हैं। भाजपा सांसद रवि किशन ने इन चुनाव नतीजों को राम राज्य की शुरुआत बताया है।

### मुनक्वर राणा के घर के बाहर बड़ी सुरक्षा, योगी को लेकर दिया था बयान

लखनऊ। यूपी चुनाव के नतीजों के बीच शायर मुनक्वर राणा के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। लखनऊ में मुनक्वर राणा की कोलोनियों के गेट को बंद कर दिया गया है। इसके साथ-साथ घर के आस-पास पूरे इलाके को पुलिस फोर्स की तैनाती हो गई है। बता दें कि उन्होंने नतीजों से पहले कहा था कि अगर योगी दुबारा सीएम बनते हैं, तब मैं यूपी छोड़ दूंगा। शायर मुनक्वर राणा ने कहा था, योगी दुबारा मुख्यमंत्री बने, तब यूपी छोड़ दूंगा। दिल्ली-कोलकाता चला जाऊंगा। मेरे पिता ने पाकिस्तान जाना मंजूर नहीं किया, लेकिन अब बड़े दुख के साथ मुझे यह शहर, यह प्रदेश, अपनी मिट्टी छोड़ना पड़ेगा। मुनक्वर राणा ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री के कंधे पर हाथ रखकर ही बुरा कर दिया, जिसकी वजह से उन्होंने उत्तरप्रदेश में भेदभाव फैला दिया। इस सरकार ने सिर्फ नारा दिया सबका साथ सबका विकास का, हुआ कुछ नहीं। इनका बस चले, तब प्रदेश से मुसलमानों को हड़का दें। उनके लिए दिल्ली कोलकाता गुजरत ज्यादा सुरक्षित है।

### बहादुर शाह जफर के जमाने का भी हुआ अंत : गिरिराज सिंह

मुंबई। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के तहत गुरुवार को जारी मतगणना के बीच केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि, इन चुनावों में बहादुर शाह जफर के जमाने का भी अंत हो गया और जीत का लोकतंत्र की हुई है। यूपी चुनाव की मतगणना के शुरुआती रुझानों में भाजपा बढ़त बनाए हुए है। राज्य विधानसभा की 403 में से 393 सीटों के प्रायः शुरुआती रुझानों के मुताबिक भाजपा 217 सीटों पर आगे चल रही है वहीं, समाजवादी पार्टी 158 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है। गिरिराज ने सपा और अन्य विपक्षी दलों पर निशाना साधकर ट्वीट किया, "बहादुर शाह जफर के जमाने का भी अंत हो गया, लोकतंत्र की जीत हुई। विकास की जीत हुई... मोदी जी की जीत हुई। एक अन्य ट्वीट में गिरिराज सिंह ने कहा, मोदी के विकास की जीत हुई, लोगों ने जात-पात और अफवाहों के बाजार को राजनीति से बाहर किया। अब तक आए रुझानों से संकेत मिल रहे हैं कि भाजपा उत्तर प्रदेश के अलावा उत्तराखंड और मणिपुर में भी अपनी सत्ता बकावर रख सकती है। गोवा में भाजपा सबसे बड़े दल के रूप में उभरती दिख रही है।

# सबाल्टर्न हिंदुत्व श्योरी पश्चिम बंगाल के बाद यूपी में भी भाजपा को दे गई एक फिर प्राण-वायु

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव परिणामों के रुझानों से एक बार फिर भाजपा को प्राण-वायु प्रदान कर दी है। ब्राह्मण-बनिया की पार्टी का आरोप झेलती बीजेपी हालिया वर्षों में इससे कहीं आगे निकल चुकी है। उत्तर प्रदेश में देखा जाए तो राजपूत महंत हैं और महंत ने पूरा खेल ही बदल दिया है और नतीजा पार्टी एक बार फिर से जबरदस्त ढंग से जीत दर्ज करती नजर आ रही है। बहुत पहले से बहुजन समाज पार्टी ने नारा दिया था तिलक तराजू और तलवार इनको मारो जूते चार। वर्तमान में

देखें तो भाजपा के पास तिलक, तराजू और तलवार तीनों ही हैं। तलवार गंवित राजपूत का प्रतीक है और राजपूत-महंत फिर से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। लेकिन बहुजन समाज पार्टी के पुराने नारे से जुते मारने वाले अब बड़ी संख्या में चुनाव दर चुनाव भाजपा को वोट दे रहे हैं। इसे आंकड़ों की बदौलत भी आप समझ सकते हैं। सर्वेक्षण के अनुसार 2014 में लगभग एक-चौथाई (24फीसदी) की तुलना में 2019 नजर आ रही है। बहुत पहले से बहुजन समाज पार्टी ने नारा दिया था तिलक तराजू और तलवार इनको मारो जूते चार। वर्तमान में

### दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल ने 'वर्ल्ड किडनी डे' पर बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। हर साल 10 मार्च को पूरी दुनिया में 'वर्ल्ड किडनी डे' मनाया जाता है और इस दिन को मनाने का मकसद यह है कि किडनी से जुड़ी बीमारियों को लेकर लोगों में ज्यादा से ज्यादा जागरूकता फैलायी जा सके। इसी बीच दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में आज 6000 से अधिक किडनी ट्रांसप्लांट के मामले पूरे कर लिए गए हैं। जिसमें से 250 ऐसे मरीजों के मामले हैं जिनका खून आसानी से किसी से मेल नहीं खाता, ऐसे लोगों के भी सफल किडनी ट्रांसप्लांट किए गए हैं। सर गंगाराम अस्पताल के नेफ्रोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉ ए के भुल्ल ने बताया कि करीब 30 फीसदी रोगियों का ब्लड ग्रुप मैच नहीं होने के कारण किडनी ट्रांसप्लांट नहीं हो पाता है लेकिन ऐसे मामलों में भी दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट किए गए हैं। अस्पताल के अध्यक्ष डॉक्टर डी एस राणा ने बताया कि हम हर महीने 3000 हेमो-डायलिसिस कर रहे हैं और 120 मरीज परिटोनियल पर हैं। (डायलिसिस को घर पर किया जा सकता है)। डॉक्टर डी एस राणा ने कहा कि आंकड़े बताते हैं कि जिनका सही समय पर किडनी ट्रांसप्लांट नहीं हो पाता उनकी किडनी के रोग से मौत हो जाती है। इलाज के अभाव में एंसी 1.20 मिलियन मौतें दुनिया भर में हो जाती हैं। उन्होंने ये भी कहा कि साल 2040 तक मृत्यु दर में पांचवा सबसे प्रमुख कारण क्रॉनिक किडनी रोग होगा। वर्ल्ड किडनी डे पर डॉक्टरों ने कहा कि विश्व स्तर पर 71 फीसदी तक गैर संचारी रोग मृत्यु का कारण बनते हैं।

### आने वाले समय में आप राष्ट्रीय स्तर पर लेगी कांग्रेस की जगह : राघव चड्ढा

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा चुनाव की मतगणना के शुरुआती रुझान ने एनएचपी के अनुमानों को सही साबित कर दिया प्रतीत होता है। पार्टी के पूर्ण बहुमत हासिल करने के संकेतों के बीच पार्टी के नेता राघव चड्ढा ने गुरुवार को कहा कि आने वाले दिनों में उनकी पार्टी एक राष्ट्रीय दल के रूप में उभरेगी और कांग्रेस की जगह ले लेगी। संस्कार में पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार भगवत मान के किराए के आवास पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे चड्ढा ने कहा 'आने वाले दिनों में 'आप' एक राष्ट्रीय दल के रूप में उभरेगी... पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस की जगह ले लेगी।' उन्होंने कहा कि पूरा देश अरविंद केजरीवाल की शासन नीति से प्रभावित है और पंजाब के लोगों ने राज्य में पार्टी पर भरोसा जताया है। 'आप' के पंजाब मामलों के सह-प्रभारी चड्ढा ने कहा, 'पंजाब में पारंपरिक पार्टियों शिरोमणि अकाली दल (शिअर) और कांग्रेस का जमाना खत्म हो गया है और अब 'आप' एक ईमानदार सरकार का गठन करेगी।' शुरुआती रुझान के अनुसार, कुल 117 विधानसभा सीटों में से 89 पर आगे चल रही पार्टी (आप) राज्य में पूर्ण बहुमत हासिल करने की ओर आगे बढ़ रही है। पंजाब में विधानसभा चुनाव के लिए 20 फरवरी को मतदान हुआ था।

# नाक के जरिए दिए जाने वाले टीके की खुराक का एमएस दिल्ली में शुरू होगा प्रशिक्षण

नई दिल्ली।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भारत बायोटेक के नाक के जरिए दिए जाने वाले कोविड-19 रोधी टीके की बूस्टर खुराक का परीक्षण शुक्रवार से शुरू करेगा। एमएस, नई दिल्ली में सामुदायिक चिकित्सा केंद्र के प्रोफेसर डॉ संजय राय ने बताया कि बूस्टर खुराक उन लोगों को दी जाएगी, जिन्होंने कम से कम पांच महीने पहले कोवैक्सिन या कोविशील्ड की दोनों खुराक ले ली थी। लेकिन

टीका देने की अवधि सात महीने से पहले की नहीं होनी चाहिए। भारत द्वारा हैदराबाद की कंपनी भारत बायोटेक द्वारा कोविड-19 के खिलाफ विकसित इंट्रानैसल वैक्सिन बीबीवी154 के इस्तेमाल को मंजूरी दिया जाना अभी बाकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कोरोना की स्थिति को लेकर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की थी। प्रधानमंत्री ने राज्यों द्वारा कोरोना के रोधाधम के लिए किए गए प्रयास की सराहना की। इस बैठक के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि



टीकाकरण अभियान की दिशा में देश के लगातार प्रयासों के संक्रमण के प्रसार के प्रभाव को रोकने में मदद की। इसके अलावा कार्यालय से यह भी कहा गया कि बैठक में देश में टीकाकरण अभियान की स्थिति का भी जायजा लिया गया और वैश्विक स्तर पर तथा देश में महामारी की स्थिति पर एक विस्तृत प्रस्तुति भी दी गई है। इस बैठक में गृह मंत्री अमित शाह के अलावा केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया भी मौजूद थे।

# आप जब जीतती है, तो कर देती है सभी का सूफड़ा साफ : बीजेपी नेता कप्तान सिंह सोलंकी



भोपाल।

देश के पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों के शुरुआती रुझानों में चार राज्यों में भाजपा ने निर्णायक बढ़त बनाई है। पर पंजाब में आम आदमी पार्टी एक तरफ जीत रही है। जिसे लेकर पूर्व राज्यपाल और

बीजेपी के वरिष्ठ नेता कप्तान सिंह सोलंकी ने आप की जमकर प्रशंसा की है। पूर्व राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी ने ट्वीट कर लिखा है कि आम आदमी पार्टी जब जीतती है, तो सभी का सूफड़ा साफ कर देती है। उसकी कार्यशैली का अनुकरण करने की जरूरत है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता की यह तारीफ बताती है कि आप किस तरह से अपने कार्यशैली के साथ आगे बढ़ रही है। दरअसल पंजाब में विधानसभा चुनाव 2022 के लिए वोटों की गिनती जारी है। रुझानों के मुताबिक राज्य में आम आदमी पार्टी का स्वीप

# भाजपा नेत्री हेमा मालिनी बोली- बुलडोजर के आगे कुछ भी नहीं टिक सकता

लखनऊ।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा 265 सीटों के साथ लगातार बढ़त बनाए है वहीं अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी 133 सीटों पर आगे चल रही है। एक तरफ जहां रुझानों के बाद बीजेपी में जश्न का माहौल है। वहीं अखिलेश यादव की तरफ से ट्वीट करके नतीजों के पक्ष में आने का दावा किया गया है। सपा की तरफ से कहा गया कि 100 से अधिक सीटों पर वोटों का अंतर



है या नहीं, महिलाएं पिछली सरकार में काफी परेशान थीं। अब महिलाएं हर क्षेत्र में सुरक्षित हैं। हेमा मालिनी ने आगे कहा कि बुलडोजर के आगे कुछ नहीं आ सकता क्योंकि मिनटों में यह किसी भी कंधे को खत्म कर सकता है, चाहे वो साइकिल हो या फिर कुछ भी हो।

# हिमाचल प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप बोले- यूपी में एक बार फिर भाजपा की योगी सरकार, यह जीत ऐतिहासिक



शिमला।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में भाजपा पंजाब छोड़ शेष चार में बंपर जीत की ओर अग्रसर है ऐसे में भाजपा में भारी उत्साह है। हिमाचल प्रदेश भाजपाध्यक्ष एवं सांसद सुरेश कश्यप ने भाजपा कसुपटी मंडल की कोटि पंचायत में एक कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम में सुरेश कश्यप ने कोटि पंचायत के प्रधानों

समय भाजपा ने जन सेवा के लिए अच्छा काम किया, कोविड संकटकाल के समय भाजपा का कार्यकर्ता हमेशा जनता के सेवा पर तत्पर रहा। साथ ही भाजपा के लोगों ने संगठन से सभी निर्देशों का पालन करते हुए घर घर तक जन सेवा के काम में नए आयाम स्थापित किया। उन्होंने कहा की प्रदेश में जयराज ठाकुर सरकार ने उत्तम कार्य किया है और जयराज सरकार जो कहती है वो करके दिखाती है। उन्होंने कहा की प्रदेश में डबल इंजन की सरकार चल रही है और इसका दृश्य विकास के मध्यम से धरातल पर दिख रहा है। आज मुख्यमंत्री जयराज ठाकुर ने एक बार फिर एक ऐतिहासिक बजट प्रस्तुत किया है। इस बजट में सभी वर्गों का खयाल रखा गया है। आज अनुसूचित जाति वर्ग के लिए सरकार वन टाइम सेल्टमेंट लाई है यह एक बड़ी सीमांत है। सामाजिक

### राजमवन में नहीं शहीद भगत सिंह के गांव खटकर कला में लूंगा शायद

नई दिल्ली। पंजाब विधानसभा चुनाव 2022 के रुझानों में आम आदमी पार्टी 117 में से 89 सीटों पर आगे चल रही है। राज्य में मिल रही इतनी बड़ी जीत पर आप पार्टी के सीएम पद के उम्मीदवार भगवत मान ने आज विक्ट्री स्पीच दी है। इस दौरान भगवत मान के साथ उनकी मां और बहन भी मौजूद थीं। लोगों को संबोधित करते हुए भगवत मान ने कहा कि पंजाबियों को बहुत बहुत धन्यवाद, उनका भी धन्यवाद जो दुनियाभर में हैं, जो आ नहीं सके। लेकिन किसी न किसी तरह से मदद की। आपने देखा होगा कि विरोधी पार्टियों ने अरविंद केजरीवाल और मुझपर निजी टिप्पणियां कीं। मैं उन्हें कहना चाहूंगा कि आपकी जो शब्दावली है। वो आपको मुबारक। लोगों ने वो बात नहीं मानी, पौने 3 करोड़ पंजाबियों की इज्जत करनी होगी। बादल हार गए, चर्बी हार गए, अरविंद केजरीवाल ने लिखकर दिया था। डेमोक्रेसी है सबको हक है अपनी बात रखने का। भगवत मान ने आगे कहा कि मैं मुख्यमंत्री पंजाब का बनूंगा। पहली कलम बेरोजगारी दूर करने के लिए चलेगी। लीडरों का काफिला खत्म होगा। मैं वो नेता नहीं हूँ जो नौजवानों की भीड़ देखकर खुश होता हो। ये सब बेरोजगारी की भीड़ होती है। इसे हमें खत्म करना है, नशा खत्म करना है। यूक्रेन में कितनों के बच्चे पढ़ रहे हैं आज क्योंकि यहां पढ़ाई मंहंगी है। हम अपना घर ठीक करेगे साफ करेगे। मैं देखकर आया हूँ 92-93 तक आंकड़ा पहुंचा है आपने अपनी जिम्मेदारी निभा दी, अब हमारी बारी है। भगवत मान ने कहा कि मुझपर भरोसा करना। मेरी नीयत खराब नहीं है। धीरे-धीरे पंजाब की गाड़ी पटरी पर लाएंगे। 1 महीने में आपको फर्क दिखना शुरू हो जाएगा। भगवत मान ने कहा कि वो राजभवन में नहीं बल्कि भागत सिंह के सीएम बनने के बाद पहला फैसला ये लूंगा कि किसी सरकारी दफतर में सीएम की नहीं भगत सिंह और बाबा साहेब अंबेडकर की फोटो लगे।



## अपनी गन से 40 दुश्मनों को ठिकाने लगाने वाला स्नाइपर वाली मदद के लिए यूक्रेन पहुंचा

कीव ।

रूस और यूक्रेन की जंग को 15 दिन हो चले हैं और यह धमती दिखाई नहीं दे रही है। दोनों देशों के बीच युद्ध रोकने पर कोई फार्मूला तय नहीं हो पा रहा है। इस बीच दुनिया के बेस्ट स्नाइपर्स में शामिल वाली यूक्रेन पहुंच गई हैं। बता दें कि वली रोजाना औसतन अपनी गन से 40 दुश्मनों को निशाना बना सकते हैं। वली एक फेंच-कैनेडियन कम्प्यूटर वैज्ञानिक हैं। वे 2 बार अफगानिस्तान में

युद्ध में चलने वाले स्पेशल ऑपरेशन में शामिल हो चुके हैं। 2009 से 2011 के बीच उन्होंने अपनी बंदूक से कई दुश्मनों को निशाना बनाया। इसके बाद उन्हें वली नाम की उपाधि दी गई। विश्व मीडिया को दिए गए एक इंटरव्यू में वली ने कहा कि उन्हें यूक्रेन आकर अच्छा लग रहा है। वे ऐसा महसूस कर रहे हैं, जैसे यूक्रेन के लोगों के साथ उनकी पुरानी दोस्ती है। उन्होंने आगे कहा कि वे यूक्रेन के लोगों की मदद करना चाहते हैं। रूस पर आरोप लगाते

हुए वली ने कहा कि रूसी सेना यूक्रेन के मासूम लोगों पर सिरफ इसलिए बमबारी कर रही है कि वे रूसी न बनकर यूरोपीय बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह पहले वे कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग में व्यस्त थे। लेकिन अब जंग के मैदान में अपनी बंदूक लेकर उतर गए हैं। यही उनकी सच्चाई है। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी को यह पसंद नहीं था कि मैं यूक्रेन की जंग का हिस्सा बनूँ। लेकिन मैंने सख्त निर्णय लिया और यहां चला आया। मीडियो रिपोर्ट्स के

मुताबिक वैसे तो दुनिया में कई फेमस स्नाइपर हैं। लेकिन वे सार्वजनिक रूप से सामने आने में परहेज करते हैं। लेकिन वली इनसे अलग हैं। वे टेलीविजन कार्यक्रमों का भी हिस्सा बनते रहे हैं। कनाडा के लोग उन्हें भलीभांति पहचानते हैं। वली कनाडा की जॉइंट टास्क फोर्स (जेटीएफ-2) यूनिट के सैनिक हैं। इस यूनिट के स्नाइपर्स के नाम ही सबसे लंबी दूरी के टारगेट को निशाना बनाने का रिकॉर्ड है।

## ब्रिटेन का शाही परिवार के सदस्य प्रिंस विलियम ने रुस यूक्रेन युद्ध पर की नरस्लीय टिप्पणी

लंदन ।

ब्रिटेन के शाही परिवार के सदस्य प्रिंस विलियम ने रूस-यूक्रेन पर एक नरस्लीय टिप्पणी की है जिस पर आक्रोश पैदा हो गया है। गुरुवार, 10 मार्च को लंदन में यूक्रेनी सांस्कृतिक केंद्र की यात्रा के दौरान, उन्होंने यूक्रेन में युद्ध से प्रभावित लोगों को मानवीय सहायता में मदद करने वाले स्वयंसेवकों से मुलाकात की और यूक्रेन को अपना समर्थन दिया। रूस यूक्रेन युद्ध पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा अफ्रीका और एशिया में संघर्ष देखने के लिए ब्रिटेन के लोग अधिक अभ्यस्त थे। यूरोप में इसे देखना बहुत ही विदेशी है हम सब आपके पीछे हैं। प्रिंस विलियम द्वारा की गई इस टिप्पणी से टिवक्टर पर भारी आक्रोश फैल गया है और कई लोगों में इस बयान पर प्रतिक्रिया दी है। लोगों ने उनके जवाब को घृणित और नरस्लीय बताया है। मानवाधिकार क्वील कॉमिस रशीद ने कहा कि शाही परिवार का कोई सदस्य उपनिवेशवाद के हजार

साल पुराने इतिहास और युद्धों और नरस्लीय की लंबी सूची के बावजूद ऐसा बयान कैसे दे सकता है। प्रिंस विलियम टिप्पणी रूस-यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में आई है, जो 15 वें दिन तक पहुंच गया है। रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर हमला करना शुरू कर दिया था। जब से युद्ध छिड़ा है, यूक्रेनी सीमा पर करने की कोशिश कर रहे रंग के आधार पर लोगों के खिलाफ भेदभाव की कहानियाँ सुर्खियाँ बटोर रही हैं। आपको बता दें बुल्गारिया और पोल्यांड के प्रधानमंत्रियों ने यह

कहकर आलोचना की कि वे कितनी भी संख्या में शरणार्थियों को स्वीकार करेंगे, क्योंकि ये वे शरणार्थी नहीं हैं जिन्हें हम आदी हैं। वे बुद्धिमान और शिक्षित लोग हैं। पत्रकारों की यह कहने के लिए भी आलोचना की गई है कि युद्ध शायद केवल गरीब और दूरस्थ देशों के लिए है, न कि नीली आंखों और सुनहरे बालों वाले लोगों वाले सभ्य राष्ट्र के लिए। अब, युद्ध और रक्तपात पर यूरोप के लिए ।

## सेवा इंटरनेशनल ने यूक्रेन जंग में फंसे 467 अफीकी छात्रों को बाहर निकाला, नाइजीरियाई मंत्री ने किया शुक्रिया

ह्युस्टन, अमेरिका ।

युद्धग्रस्त देश यूक्रेन में भारतीय अमेरिकी गैर लाभकारी संस्था 'सेवा इंटरनेशनल' ने रूसी सैन्य हमले के बीच यूक्रेन के सूची से 367 नाइजीरियाई नागरिकों समेत 467 अफीकी छात्रों को बाहर निकाला है। संगठन ने एक बयान में बताया कि यूक्रेन में नाइजीरिया के राजदूत शिना अलेगें के अनुरोध पर 'सेवा' के स्वयंसेवकों ने निकासी प्रयासों को समन्वित किया। नाइजीरिया के विदेश मामलों के मंत्री जियोफी ओनयेमा ने ट्वीट करके 'सेवा इंटरनेशनल यूरोप' को धन्यवाद दिया। उन्होंने बस मुहैया कराने के

लिए यूक्रेन सरकार का भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में राजदूत अलेगें के 'दृढ़ संकल्प' के लिए उन्हें स्वयंसेवक काम कर रहे हैं और सीमा के पास 50 स्वयंसेवक लोगों को सीमा पार करने में सहायता कर रहे हैं। 'सेवा इंटरनेशनल' अब तक 12 देशों के फंसे लोगों की मदद कर चुका है। इस कार्य में 'सेवा इंटरनेशनल' को अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) और स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) जैसे कई धार्मिक संगठनों और पोलेंड एवं रोमानिया जैसे सीमावर्ती देशों के नागरिकों से सहयोग मिल रहा है।

इंटरनेशनल' के स्वयंसेवकों ने युद्ध शुरू होने के बाद से करीब 1,200 व्यक्तियों की मदद की है। यूक्रेन में 100 से अधिक 'सेवा' स्वयंसेवक काम कर रहे हैं और सीमा के पास 50 स्वयंसेवक लोगों को सीमा पार करने में सहायता कर रहे हैं। 'सेवा इंटरनेशनल' अब तक 12 देशों के फंसे लोगों की मदद कर चुका है। इस कार्य में 'सेवा इंटरनेशनल' को अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) और स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) जैसे कई धार्मिक संगठनों और पोलेंड एवं रोमानिया जैसे सीमावर्ती देशों के नागरिकों से सहयोग मिल रहा है।

## ट्रंप को ले जा रहे विमान का इंजन हुआ खराब, आपात लैंडिंग कराई

न्यू ऑर्लियंस ।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ले जा रहे एक विमान का इंजन बीते सप्ताह में मैक्सिको की खाड़ी के ऊपर खराब हो गया। इसके चलते विमान को न्यू ऑर्लियंस में आपात लैंडिंग के लिए मजबूर होना पड़ा। बुधवार को घटना से वाकिफ एक अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर इसकी पुष्टि की। अधिकारी के मुताबिक, इंजन खराब होने की यह घटना शनिवार रात 11 बजे से कुछ देर पहले तब हुई, जब ट्रंप न्यू ऑर्लियंस में

रिपब्लिकन पार्टी की राष्ट्रीय समिति के चंद्रा कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद एक दानदाता के निजी विमान से फ्लोरिडा इस्टेट स्थित अपने मार-ए-लागो आवास लौट रहे थे। अधिकारी ने बताया कि ट्रंप के विमान का एक इंजन न्यू ऑर्लियंस लेकफ्रंट हवाईअड्डे से लगभग 120 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद खराब हुआ। अधिकारी के अनुसार, ट्रंप विमान में अपने सलाहकारों, खुफिया सेवा कर्मचारियों और सहयोगी स्टाफ के साथ सफर कर रहे थे। पूर्व राष्ट्रपति के एक प्रवक्ता ने उनके विमान की आपात लैंडिंग की बात

स्वीकारी। हालांकि, उसने कोई और जानकारी देने से इनकार कर दिया। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप न्यू ऑर्लियंस के फोर सीजन्स होटल में रिपब्लिकन पार्टी के शीर्ष दानदाताओं से संवाद करने के लिए पहुंचे थे। रिपोर्ट में बताया गया है कि आपात लैंडिंग के बाद ट्रंप की टीम ने एक और दानदाता से विमान का इंतजाम किया, जिसके बाद पूर्व राष्ट्रपति रिवर सुवह मार-ए-लागो पहुंच गए। रिपोर्ट के अनुसार घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।



## यूक्रेन में लड़ाई के लिए भर्ती हो रहे अमेरिकी नागरिक

वाशिंगटन । यूक्रेन पर रूसी आक्रमण ने वाशिंगटन में छोटे-से यूरोपीय देश को अप्रत्याशित यानी लड़ाई में शामिल होने की इच्छा रखने वाले अमेरिकियों को भर्ती करने की भूमिका दे दी है। दूतावास से बाहर जॉर्जटाउन के एक हिस्से में काम कर रहे राजनयिकों को यूक्रेन के लिए लड़ने के लिए स्वयंसेवकों के प्रस्ताव मिल रहे हैं। यूक्रेनी दूतावास से जुड़े सैन्य विशेषज्ञ (मिलिट्री अटेंची) मेजर जनरल बोसिस क्रैमेनेत्स्की ने कहा, उन्हें वाकई लगता है, कि यह युद्ध अनुचित, बिना उकसावे वाला है। उन्हें लगता है कि उन्हें जाना होगा और मदद करनी होगी। अमेरिका के ये स्वयंसेवी यूक्रेन के लिए लड़ने की इच्छा रखने वाले विदेशियों के एक छोटे-से समूह का प्रतिनिधित्व करते हैं। फिर भी यह सोशल मीडिया के इस दौर में हमले और इसमें आम लोगों की मौत के बढ़ते मामलों को लेकर लोगों की नाराजगी और जुनून को परिलक्षित करता है। क्रैमेनेत्स्की ने कहा, ये आतंकवादी नहीं हैं, जो पैसा कमाने आ रहे हैं। यह अच्छे लोग हैं, जो आजादी की लड़ाई के लिए यूक्रेन की मदद करने आ रहे हैं। हालांकि, अमेरिकी सरकार अपने नागरिकों को यूक्रेन में जाकर लड़ने के लिए प्रेरित नहीं करती है, क्योंकि इससे कानूनी और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पैदा होते हैं। उन्होंने बताया कि अभी तक करीब 100 अमेरिकी नागरिकों को भर्ती किया गया है इसमें इराक और अफगानिस्तान में युद्ध का अनुभव रखने वाले पूर्व सैन्यकर्मी शामिल हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने लोगों से युद्ध में शामिल न होने का आग्रह करते हुए कहा कि यह अभी स्पष्ट नहीं है, कि कितने अमेरिकी नागरिक असल में यूक्रेन पहुंच गए हैं।

## अमेरिकी सांसदों की अपील, पाकिस्तानी राजदूत के आतंकवादियों से ताल्लुक

वाशिंगटन । अमेरिकी तीन प्रभावशाली सांसदों ने उन आरोपों की जांच करने की मांग की है, कि अमेरिका में पाकिस्तानी राजदूत के तौर चुने गए मसूद खान के आतंकवादियों और इस्लामिक संगठनों से ताल्लुक है। पाकिस्तान ने पिछले महीने कहा था कि अमेरिकी सरकार ने वाशिंगटन में राजदूत के तौर पर खान के नामांकन को मंजूर दे दी है। इससे कुछ दिनों पहले एक प्रतिष्ठित अमेरिकी सांसद ने राष्ट्रपति जो बाइडन से उनका राजनयिक परिचय पत्र खारिज करने और उन्हें 'आतंकवादियों का सच्चा हमदर्द करार देने का अनुरोध किया था। पिछले साल अगस्त तक पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के 'राष्ट्रपति रहे खान को नवंबर में अमेरिका में पाकिस्तानी राजदूत के तौर पर नामित किया गया। अमेरिका के अटॉर्नी जनरल मेरिक गारलैंड, सांसद स्कॉट पेरी, डब्ल्यू ग्रेगरी स्ट्यूब और मैग ई मिलर ने नौ मार्च को लिखे पत्र में कहा कि पाकिस्तानी शासन के साथ जुड़े घरेलू तत्वों के साथ खान के घनिष्ठ संबंध खानों चिंता का विषय बना हुआ है।

## छात्र हंगरी में अपनी मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने का विकल्प चुन सकते

नई दिल्ली । रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हंगरी के पीएम विकट ओर्बन से फोन पर बात की। दोनों नेताओं ने रूस-यूक्रेन के बीच जारी जंग पर चर्चा कर यूक्रेन की स्थिति पर भी चिंता व्यक्त की। इस मौके पर उन्होंने युद्धविराम सुनिश्चित करने और कूटनीति एवं संवाद की वापसी सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर सहमत जाहिर की। पीएम ओर्बन ने मिली जानकारी के मुताबिक, बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने यूक्रेन-हंगरी सीमा के रास्ते 6000 से ज्यादा भारतीय नागरिकों को निकालने की सुविधा के लिए विकट ओर्बन को धन्यवाद दिया। पीएम मोदी ने इस कार्य में हंगरी सरकार की तरफ से की गई मदद के लिए उनका आभार व्यक्त किया। वहीं, हंगरी के प्रधानमंत्री ने यूक्रेन से निकाले भारतीय छात्रों को शुभकामनाएं दीं।

## इंडोनेशिया में ज्वालामुखी फटने पर 250 लोगों ने छोड़ा अपना घर

योग्याकार्ता । इंडोनेशिया के मेरापी पर्वत में ज्वालामुखी फटने से आसमान में धुंए के घने बादल आसपास के गांवों तथा कस्बों तक जा पहुंचे। ज्वालामुखी फटने पर करीब 250 स्थानीय लोगों को आश्रय स्थलों में पहुंचाया गया है। इसमें अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। राष्ट्रीय आपदा शमन एजेंसी के एक प्रवक्ता ने बताया कि ज्वालामुखी फटने के घनो आबादी वाले द्वीप में मध्यरात्रि से ठीक पहले और बाद में कम से कम सात बार गर्म राख के गोले निकले और पाइरोक्लास्टिक प्रवाह (चट्टान, लावा और गैस का मिश्रण) निकला, जो करीब पांच किलोमीटर तक जो करीब पांच किलोमीटर तक फैल गया। गडगड्राइट की आवाजें कई किलोमीटर तक सुनाई दीं। उन्होंने बताया कि मेरापी पर्वत पर ज्वालामुखी के खतरे को देखते हुए योग्याकार्ता प्रांत के प्लगहारजो और उबुलुहारजो गांवों और मध्य जावा के चलेटन जिले में 253 लोगों को आश्रय स्थलों में पहुंचाया गया। मुहारी ने बताया कि ज्वालामुखी के फटने से उससे निकली राख आसपास के कई गांवों और कस्बों में फैल गई। हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की अभी तक कोई खबर नहीं है।

## चीन के साथ युद्ध विनाश ही लेकर आएगा: ताइवान की मंत्री

ताइपे । ताइवान के रक्षा मंत्री ने कहा कि यदि चीन के साथ कोई संघर्ष होता है, तो यह सभी पक्षों के लिए विनाशकारी होगा, भले ही परिणाम कुछ भी हो। यूक्रेन पर हमला करने के मामले में चीन ने रूस का मुख्य रूप से समर्थन किया है। चीन स्वशासित द्वीप ताइवान को अपना अधिकार क्षेत्र मानता है और यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद से यह आशंका पैदा हो गई है कि चीन भी ताइवान पर जबरन पड़ने पर बल प्रयोग करके कब्जा कर सकता है। ताइवान के रक्षा मंत्री चिउ कुओ चेंग ने संवाददाताओं से कहा कि किसी को युद्ध नहीं चाहिए। इस पर समग्र विचार किया जाना चाहिए। चिउ ने कहा कि यदि आप वास्तव में युद्ध चाहते हैं, तो यह सभी के लिए विनाशकारी होगा। चीन की नेशनल पीपल्स कांग्रेस (एनपीसी) और उसके सलाहकार निकाय की इस सप्ताह बीजिंग में हुई वार्षिक बैठक के दौरान प्रतिनिधियों ने ताइवान में विदेशी प्रभाव एवं अलगाववाद को दोषी ठहराया और ताइवान के समर्थन का मुकाबला करने के लिए चीन की कानूनी और वित्तीय शक्ति को बढ़ावा। पीपल्स लिबरेशन आर्मी के प्रवक्ता कर्नल वु कियान ने एनपीसी में कहा, अलगाववादी गतिविधियां और बाह्य बलों के साथ गठजोड़ ताइवान जलडमरूमध्य में मौजूद तनाव और अशांति का मूल कारण है।

## अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने यूक्रेन के लिए 13.6 अरब डॉलर की सहायता को दी स्वीकृति



वाशिंगटन ।

युद्धग्रस्त देश यूक्रेन के लिए अच्छी खबर है यहां अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने 1,500 अरब डॉलर के वित्तपोषण संधीय एजेंसियां विधेयक के तहत उसके यूरोपीय सहयोगियों को 13.6 अरब डॉलर की सहायता मुहैया कराने की खातिर बुधवार को ब्यापक खर्च विधेयक को मंजूरी दे दी। इससे पहले, डेमोक्रेटिक पार्टी के शीर्ष सांसदों को कोविड-19 से

मुकाबला करने के लिए नई विधियों को शामिल करने की अपनी योजना को अचानक त्यागना पड़ा। डेमोक्रेटिक पार्टी ने कई घरेलू पहलों के लिए निधि हासिल की, रिपब्लिकन पार्टी ने विधेयक के जरिए रक्षा खर्च को बढ़ावा दिया और रूस के आक्रमण का मुकाबला करने के लिए यूक्रेन को धन मुहैया कराने संबंधी मंजूरी में दोनों पार्टियों का योगदान रहा। इस मदद को इस सप्ताह के अंत तक या इससे थोड़ा और समय बाद सीनेट की मंजूरी मिल जाने की संभावना है। इससे पहले, प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैसी पेलेोसी को वैश्विक महामारी से लड़ने के लिए 15.6 अरब डॉलर विधेयक को त्यागना पड़ा और उन्होंने इस

फैसले को 'दिल तोड़ने वाला' बताया। इसे राष्ट्रपति जो बाइडन और पार्टी के नेताओं की शीर्ष प्राथमिकता की हार के तौर पर देखा जा रहा है। इस निधि का इस्तेमाल टीकों की अमेरिकी आपूर्ति, उपचार, जांच और दुनियाभर में बीमारी के खिलाफ लड़ाई को तेज करने के लिए मुख्य रूप से किया जाना था। खिलाफ लड़ाई को तेज करने के लिए मुख्य रूप से किया जाना था। प्रतिनिधि सभा ने दो अलग-अलग मतदान में पूरे विधेयक को मंजूरी दी। इस विधेयक के सुसूक्ष्म कार्यों को 69 के मुकाबले 361 मतों से स्वीकृति मिली, जबकि रैंप को 171 के मुकाबले 260 मतों से मंजूरी दी गई। राष्ट्रपति जो बाइडन ने पिछले हफ्ते यूक्रेन की सैन्य,

मानवीय और आर्थिक सहायता के रूप में 10 अरब डॉलर का अनुरोध किया था। डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन सांसदों का पुख्ता समर्थन मिलने से यह शिखर 13.6 अरब डॉलर पर पहुंच गई। व्हाइट हाउस में बाइडन ने कहा, 'हम उनका (यूक्रेन का) अत्याचार, दमन, हिंसा की कार्रवाई के खिलाफ समर्थन करने जा रहे हैं। पेलेोसी ने कहा कि उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की से बुधवार को 45 मिनट बात की और इस बातचीत के दौरान उन्होंने यूक्रेन के लिए आवश्यक हथियारों और अन्य सहायता को लेकर चर्चा की। उन्होंने बताया कि दोनों ने 'रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा मानवता के खिलाफ किए जा रहे अपराधों' पर भी चर्चा की।

## लैंगिक समानता को बढ़ावा देने कांग्रेस से 2.6 अरब डॉलर की निधि देने की मांग करेंगे बाइडेन

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि वह कांग्रेस (अमेरिकी संसद) से दुनियाभर में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने वाले विदेश सहायता कार्यक्रम के लिए 2.6 अरब डॉलर की निधि देने की मांग करने वाले हैं। यह उस धनराशि से दोगुना है जो पिछले साल मांगी गई थी। बाइडन ने दुनियाभर में महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों को पहचानने वाले अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर इसकी घोषणा की। उन्होंने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर व्हाइट हाउस की पहली लैंगिक नीति समिति गठित की थी ताकि उनके प्रशासन में लैंगिक समानता को बढ़ावा मिले। राष्ट्रपति ने कहा कि हर किसी को 'ईश्वर प्रदत्त' श्रमता के साथ जीने का अधिकार है चाहे वह किसी भी लिंग का हो और जब महिलाओं एवं लड़कियों को समृद्ध होने का मौका दिया जाता है तब समाज बेहतर प्रदर्शन करता है। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित करना कि प्रत्येक महिला और लड़की के पास वह मौका हो, यह सही चीज नहीं है, यह रणनीतिक रूप से अनिवार्य है जो हमारे देश और दुनिया की समृद्धि, स्थिरता और सुरक्षा को आगे बढ़ाती है। बाइडन का 2.6 अरब डॉलर का अनुरोध वित्त वर्ष 2023 के लिए उनके संघीय बजट प्रस्ताव में शामिल होगा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रथम महिला जिल बाइडन ने महिलाओं के योगदान को सलाम किया।



## यूक्रेन पर रासायनिक हमले की योजना! रूस-यूएस ने एक दूसरे पर लगाए आरोप



कीव ।

रूस-यूक्रेन जंग को 15 दिन हो गए हैं। युद्ध के तनावपूर्ण हालात के बीच अमेरिका ने दावा किया है कि रूस, यूक्रेन पर केमिकल या जैविक हथियारों से हमला कर सकता है। व्हाइट

हाउस की ओर से एक बयान जारी करके कहा गया है कि रूस यूक्रेन पर बायोलॉजिकल या फिर केमिकल हथियार से हमले की तैयारी कर रहा है, हमें इस पर नजर रखनी चाहिए। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी जेन साकी ने दावा किया है कि हमारे पास

इसको लेकर चिंतित होने की अहम वजह है। हमें रूस पर नजर रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संभव है कि रूस गलत वजह को आधार बनाकर केमिकल हमला कर सकता है, क्योंकि पहले भी ऐसा करत आया है। जेन साकी ने ट्वीट किया, 'हमें यूक्रेन में कथित अमेरिकी जैविक हथियारों लैंब और रासायनिक हथियारों के विकास के बारे में रूस के ड्यूटे दलों पर ध्यान देना चाहिए। हमने चीन के अधिकारियों को भी देखा है कि वह इस तरह के दलों का समर्थन कर रहे हैं, जो एक सुनिश्चित साजिश है। हमने पिछले कुछ साल में रूस की सैन्य,

से इस तरह की अफवाह पहले भी यूक्रेन व अन्य देशों को लेकर देखी है, जोकि पहले भी गलत साबित हुई हैं। इस बीच रूस ने भी दावा किया है कि उसने यूक्रेन में ऐसे जैविक हथियारों को खोज निकाला है जो अमेरिका की सरपस्ती में यहां रखे गए हैं। रूस ने कहा है कि इन जैविक हथियारों का मकसद सैन्य इस्तेमाल है। साकी ने कहा कि अमेरिका के मिकल वेपन कवेशन एंड बायोलॉजिकल वेपन कवेशन के नियमों का पूरी तरह से पालन करता है। इस तरह के हथियार ना तो तैयार करत हैं और नहीं अपने पास कहीं भी रखता है। एक

तरफ अमेरिका यूक्रेन में केमिकल हमले की चेतावनी जारी कर रहा है तो दूसरी तरफ यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की के नाटो में शामिल न होने के एलान के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी नरमी दिखाई है रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जाखारोवा ने कहा है कि हमारा मकसद यूक्रेन की सरकार को गिराना नहीं, बल्कि स्थिति सुनिश्चित करना है। मारिया ने कहा, यूक्रेन से अलग दूर की वार्ता में और अधिक महत्वपूर्ण प्रगति की उम्मीद है विदेशमंत्री सर्गेई लावरोव लुकी में हैं, जहां वह यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो

कुलेबा के साथ बातचीत करेंगे। इसी बीच ब्रिटेन ने कहा कि वह और अधिक हथियार, खासतौर पर टैंक रोधी मिसाइल यूक्रेन भेजेगा, ताकि रूसी हमलों का यह पूर्वी यूरोपीय देश मुकाबला कर सके। रक्षा मंत्री बेन वॉलेस ने ब्रिटिश संसद के निचले सदन हाउस ऑफ जाखारोवा ने कहा है कि ब्रिटेन पहले मजेजी का चुकी 2,000 हल्की टैंक मिसाइल के अतिरिक्त 1,615 और अधिक मिसाइल भेजेगा। लंबी दूरी तक मार करने वाली जावेलिन मिसाइल और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल की एक छोटी चीज भी हथियारों की नई आपूर्ति में शामिल है।



## सुविचार

## संपादकीय

## रूस पर प्रतिबंध

रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते युद्ध की विश्व पर पड़ती-बढ़ती आंच से बहुत कुछ तपने लगा है। युद्ध का निरंतर खतरनाक होते जाना न केवल दुःख, बल्कि मानवता के लिए शर्मनाक भी है। बड़ी शक्तियों के बीच प्रत्यक्ष-परोक्ष संघर्ष का जो सिलसिला चल निकला है, पूरी दुनिया को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। रूस के खिलाफ सैन्य कार्रवाई से बच रहा नया अमेरिका प्रतिबंधों से नकेल कसता चला जा रहा है। अब रूस को गहराई से नुकसान पहुंचाने के लिए अमेरिका ने वहां से तेल-गैस आयात को रोक दिया है। अमेरिका की वही-गैस को रूस की अर्थव्यवस्था की मुख्य धमनी मानता है, तो फिर क्या वह यह कदम पहले नहीं उठा सकता था? ऐसे जरूरी प्रतिबंधों के लिए अमेरिका को भला 12 दिन क्यों इंतजार करना पड़ा? क्या अमेरिका रूसी तेल-गैस पर निर्भर हो गया था या युद्ध रोकने से ज्यादा उसे तेल-गैस की चाहत थी? खेर, जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने साफ कह दिया है कि वह रूसी तेल, गैस और ऊर्जा के सभी आयातों पर प्रतिबंध लगा रहे हैं, तो यकीन मानिए, रूस इस युद्ध को और तीखा कर देगा, ताकि जल्दी से जल्दी अपने मकसद तक पहुंच सके। अमेरिकी कदम दूरगामी रूप से रूस को जरूर नुकसान पहुंचाएगा, लेकिन तात्कालिक रूप से प्रतिउत्पादक भी साबित हो सकता है। बहरहाल, अमेरिकी घोषणा के बाद वैश्विक तेल की कीमतों ने उछाल का रुख कायम रखा है। तेल कहीं 131.2 डॉलर प्रति बैरेल है, तो कहीं 126.3 डॉलर प्रति बैरेल चल रहा है। भारत को भी प्रति बैरेल 126 डॉलर तेल खरीदना पड़ रहा है। रूस ने पहले ही चेताने दे रखी है कि तेल के कीमत 300 डॉलर के पार जाएगी। रूस की धमकी के बाद ही अमेरिका ने कदम उठाकर दिखाया है, ताकि रूस के हाथों में तेल की कीमतों की कमान न रहे। अमेरिका की वही-धरि-भारत पर शिकंजा कसेगा, ताकि भारत किसी भी सूरत में रूस को प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ न पहुंचा पाए। अतः भारत को आगे बढ़कर समान सोच वाले देशों के साथ मिलकर युद्ध विराम के लिए प्रयास तेज करने चाहिए। यूक्रेन के लोगों के पक्ष में बड़े और ईमानदार प्रयासों की जरूरत है। अभी यूक्रेन में इंसानियत हार रही है। लोग मर रहे हैं, शहर तबाह हो रहे हैं। ऐसे में, जरूरी है कि रूस पर लग रहे प्रतिबंध सकारात्मक रूप से दुनिया को इंसानियत की ओर ले जाएं।

## आज के कार्टून

हम जीते तो ठीक वरना EVM में गड़बड़ी



## अध्यात्म मार्ग

श्रीराम शर्मा आचार्य

सामान्य लोगों के बीच प्रायः यह भ्रम फैला हुआ है कि अध्यात्मवाद का लौकिक जीवन से कोई संबंध नहीं है। वह तो योगी तपस्वियों का क्षेत्र है, जो जीवन में दैवी वरदान प्राप्त करना चाहते हैं। जो सांसारिक जीवन-यापन करना चाहते हैं। घर-बार बसाकर रहना चाहते हैं, उनसे अध्यात्म का संबंध नहीं। इसी भ्रम के कारण बहुत से गृहस्थ भी, जो दैवी वरदान की लालसा के फेर में पड़ जाते हैं, अध्यात्म मार्ग पर चलने का प्रयत्न करते हैं। किन्तु अध्यात्म का सही अर्थ न जानने के कारण थोड़ा-सा पूजा-पाठ कर लेने को ही अध्यात्म मान लेते हैं। यह बात सही है कि अध्यात्म मार्ग पर चलने से उसकी साधना करने से दैवी वरदान भी मिलते हैं और ऋद्धि-सिद्धि भी प्राप्ति होती है। किन्तु वह उच्चस्तरिय सूक्ष्म-साधना का फल है। कुछ दिनों पूजा-पाठ करने अथवा जीवन भर यों ही कार्यक्रम के अंतर्गत पूजा करते रहने पर भी ऋद्धिवाला ऐयं प्राप्त नहीं हो सकता। उस स्तर की साधना कुछ भिन्न प्रकार की होती है। वह सर्वसामान्य लोगों के लिए संभव नहीं। उन्हें इस तपसाध्य अध्यात्म में न पड़कर अपने आवश्यक कर्तव्यों में ही आध्यात्मिक निष्ठा रखकर जीवन को आगे बढ़ाते रहना चाहिए। उनके साधारण पूजा-पाठ का जो कि जीवन का एक अनिवार्य अंग होना चाहिए, अपनी तरह से लाभ मिलता रहेगा। थोड़ी सी साधारण पूजा, उपासना करके जो जीवन में अलौकिक ऋद्धि-सिद्धि पाने की लालसा रखते हैं, वे किसी जुआरी की तरह नगण्य सा धन लगाकर बहुत अधिक लाभ उठाना चाहते हैं। बिना श्रम के मालामाल होना चाहते हैं। लोभी उपासकों की यह अनुचित आशा कभी भी पूरी नहीं हो सकती और वह भी सकता है कि इस लोभ के कारण उनकी अपनी उस सामान्य उपासना का भी कोई फल न मिले। देवताओं का वरदान वस्तुतः इतना सरता नहीं होता, जितना कि लोगों ने समझ रखा है। वे मंदिर में जाकर हाथ जोड़ जाने या अक्षत-पुण्य जैसी तुच्छ वस्तुएं चढ़ा देने से प्रसन्न हो जायेंगे और अपने वरदान लुप्तान लगे-ऐसा सोचना अज्ञान के सिवाय और कुछ नहीं है। सामान्य पूजा-पाठ का अपना जो पुरस्कार है, मिलेगा वही, उससे अधिक कुछ नहीं।

## शरीर को रोगी और निर्बल रखने के सामान दूसरा कोई पाप नहीं है। - लोकमान्य तिलक

## महिला स्वावलंबन के सार्थक प्रयास

- डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

नरेंद्र मोदी सरकार ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान का शुभारंभ किया था। पिछले कुछ वर्षों में यह सार्थक रूप में आगे बढ़ा है। यह अभियान का व्यापक निहितार्थ है। इसमें बेटियों के प्रति सम्मान उनके स्वास्थ्य शिक्षा सुरक्षा के विषय शामिल है। इसके साथ ही महिला स्वावलंबन पर भी बल दिया गया। यह माना गया कि आधी आबादी को उपेक्षित कर कोई देश विकास नहीं कर सकता है। बालिकाओं व महिलाओं को जहां उचित अवसर मिला उन्होंने बेहतर ढंग से कार्य किया। इतिहास में भी ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं है। वैदिक काल में महिलाओं ने ऋचाओं की रचना की। वह विद्वतापूर्ण शास्त्रार्थ में सहभागी होती थीं। युद्ध क्षेत्र में उनकी भूमिका वीरगना के रूप में रहती थी। विदेशी आक्रांताओं के समय से महिलाओं को उपेक्षा शुरू हुई थी। इस कारण हमारे समाज में अनेक कमजोरियों ने जगह बना ली। कुछ वर्ष पहले तक बेसिक स्कूलों में शौचालय न होने के कारण बालिकाएं आगे की पढ़ाई छोड़ने को विवश हो जाती थीं। नरेंद्र मोदी सरकार ने इस समस्या के समाधान पर ध्यान दिया। उनके स्वच्छ भारत अभियान में यह विषय शामिल था। भारत में प्राचीन काल से ही महिलाओं के सम्मान की परंपरा और संस्कृति रही है। महिलाओं की प्रगति देश को मजबूत बनाती है। सरकार महिलाओं और बेटियों को उनके सपने पूरे करने के लिए उनकी प्रगति के लिए वित्तीय मदद प्रदान कर रही है। सरकार ने मातृत्व अवकाश को 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह किया है। कार्यस्थल में महिलाओं की सुरक्षा के लिए सख्त कानून लागू किए हैं। बलाकार जैसे जघन्य अपराधों के लिए मृत्युदंड तय किया गया है। महिलाओं को सेना में उच्च रैंक तक प्रमोत किया जा रहा है। सैनिक स्कूलों में बेटियों को दाखिले देने की प्रक्रिया शुरू की गई है। कोशिश की जा रही है कि बेटियों की शादी की उम्र 18 से 21 की जाए। बालिकाओं की शिक्षा का विस्तार किया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत दो करोड़ घर बनाए गए हैं। पहले महिलाओं को संपत्ति का अधिकार नहीं होता था। आज इस योजना से उन्हें यह अधिकार मिल रहा है। जनधन योजना के माध्यम से तेईस करोड़ महिलाओं के खाते खोले गए हैं। नौ करोड़ महिलाओं को उच्चला योजना के तहत गैस कनेक्शन दिए गए हैं। साथ ही यह सुनिश्चित किया गया है कि महिलाओं को शौच के लिए घर से बाहर न जाना पड़े। वोकल फॉर लोकल अभियान के माध्यम से महिलाओं को

स्वावलंबी बनाया जा रहा है। कोरोना कालखंड में भी महिलाओं ने उल्लेखनीय भूमिका का निर्वाह किया है। आशा कार्यकर्ता गांव के प्रत्येक घरों तक सर्व किया। दवाई पहुंचाई। इसके बाद टीकाकरण में भी पूरा योगदान दिया। हर घर दस्तक अभियान के अंतर्गत आशा कार्यकर्ता हर घर में पहुंचीं। टीकाकरण को बढ़ावा दिया। अभियान की सफलता में महिलाओं का योगदान बहुत लाभप्रद साबित हुआ है। केंद्र सरकार ने कोरोना और अन्य कारणों के चलते स्कूल छोड़ चुकी 11 से 14 आयुवर्ग की बालिकाओं को फिर से स्कूली शिक्षा में जोड़ने के लिये कन्या शिक्षा प्रवेश अभियान शुरू किया है। यह अभियान अधिक से अधिक लड़कियों के लिए शिक्षा प्राप्ति सुनिश्चित करेगा। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने शिक्षा मंत्रालय और यूनीसेफ के साथ मिलकर औपचारिक शिक्षा या कौशल प्रणाली की तरफ किशोरियों को वापस स्कूल लाने के लिये एक अभूतपूर्व अभियान कन्या शिक्षा प्रवेश उत्सव का शुभारंभ किया। इससे स्कूल छोड़ने वाली चार लाख से अधिक किशोरियों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सहित अन्य योजनाओं का लाभ मिलेगा। वर्तमान केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार ने महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया। इसके दृष्टिगत सामाजिक जागरूकता के साथ ही महिला स्वावलंबन संबंधी अनेक योजनाओं को लागू किया गया। विगत कुछ वर्षों में महिला सम्मान व स्वावलंबन संबंधी अनेक उल्लेखनीय कार्य किये गए। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिशन शक्ति योजना लागू की। इसके माध्यम से समाज में जागरूकता का सन्देश दिया गया। महिला सम्मान व स्वावलंबन में समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। यह कार्य केवल सरकार के द्वारा नहीं हो सकता। समाज की चेतना अपरिहार्य होती है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के माध्यम से देश की चेतना को जगाने का प्रयास किया गया। इससे अनेक राज्यों में बेटियों की संख्या में बहुत वृद्धि हुई। योगी आदित्यनाथ ने मिशन शक्ति के दूसरे चरण का शुभारंभ महिला दिवस के अवसर पर किया था। उन्होंने इस अवसर पर शास्त्रों की सूक्ति का उल्लेख किया-  
नास्ति मातृसमा छाया, नास्ति मातृसमा गतिः।  
नास्ति मातृसमं त्राण, नास्ति मातृसमा प्रपाः।  
माता के समान कोई छाया नहीं है, माता के समान कोई सहारा नहीं है। माता के समान कोई रक्षक नहीं है, माता के समान कोई प्रिय नहीं है और इस विश्व में माता के समान कोई जीवनदाता नहीं

है। नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलंबन एक साथ जुड़ेगे तो नारी सशक्तिकरण का लक्ष्य स्वतः ही प्राप्त होगा। महिला स्वावलंबन संबंधी सुमंगला योजना का शुभारंभ भी योगी आदित्यनाथ ने किया था। अपने ढंग की यह अभिनव योजना है। इसमें बेटियों को शिक्षित व स्वावलंबी बनाने का उद्देश्य निर्धारित किया गया। इसके अलावा वृमेन पावर लाइन पर आने वाली शिकायतों की समीक्षा करते हुए इनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए। कुछ समय पहले प्रधानमंत्री ने प्रयागराज में एक लाख साठ हजार महिला स्वयं सहायता समूहों के बैंक खाते में एक हजार करोड़ रुपये की धनराशि का अन्तरण किया था। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना का एक लाख से अधिक नवीन लाभार्थियों के खाते में बीस करोड़ रुपये की धनराशि का अन्तरण भी किया था। बैंकिंग कॉरिस्पॉण्डेंट सखी बैंक को गांव तक ले आयी है। उत्तर प्रदेश सरकार ने इन पर पचहत्तर हजार करोड़ रुपये के लेन देन की जिम्मेदारी सौंपी है। बेटियां हैं पंचमहर हजार करोड़ रुपये का कारोबार कर रही हैं। पहले जिन बहनें बेटियों के अपने बैंक खाते भी नहीं थे। आज उनके पास डिजिटल बैंकिंग की ताकत है। आयुष्मान भारत योजना से सर्वाधिक लाभ महिलाओं को हुआ है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत आवास प्राथमिकता पर महिलाओं के नाम पर बनाये गये हैं। उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाखों की संख्या में आवास बनाये गये हैं। इनमें से अधिकतर आवास महिलाओं के नाम पर हैं। केंद्र सरकार की स्वामित्व योजना के अन्तर्गत देश भर में घरों के मालिकों को उसके कर्जागत घरौनी दी जा रही है। मुद्रा योजना के अन्तर्गत गांव में गरीब परिवारों की नयी महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस योजना के अन्तर्गत दिये गये ऋण में से सत्र प्रतिशत महिलाओं को प्रदान किये गये हैं। दीनदयाल अन्त्योदय योजना के जरिये भी बहनों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा जा रहा है। राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत वर्तमान केंद्र सरकार के पहले पांच वर्षों में जितनी सहायता दी गयी, उससे तेरह गुना बढ़ाते प्रतिशत सात वर्षों में हुई है। पहले स्वयं सहायता समूहों को दस लाख रुपये का ऋण बिना गारण्टी के उपलब्ध करवाया जाता था। अब इसका दोगुना बीस लाख रुपये दिया जा रहा है। मुस्लिम बहनों को उत्पीड़न और शोषण से बचाने के लिए तीन तलाक के खिलाफ कानून बनाया गया।  
(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

## राजनीतिक इच्छाशक्ति से ही लक्ष्य पूरे

अनुप भटनागर

इस बार महिला दिवस की थीम थी 'स्वायं कल के लिए लैंगिक समानता'। लेकिन भारत में समानता की भागीदारी अभी भी दिवाव्यवस्था में महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी के लिए 12 साल पहले राज्य सभा में पारित संविधान संशोधन विधेयक का आज तक लोकसभा में पेश नहीं किया जाना है। नि-संदेह लैंगिक समानता के मामले में विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। हमारे सैन्य बलों में भी अधिकारियों के पदों पर यह नजर आता है, लेकिन यह भी सिर्फ न्यायपालिका के हस्तक्षेप से संभव हो रहा है। यह भी दिलचस्प है कि महिलाओं के हितों की रक्षा को लगातार अनेक महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं प्रतिपादित करने वाली न्यायपालिका लैंगिक समानता के मामले में पीछे है। प्रधान न्यायाधीश एनबी रमण चाहते हैं कि न्यायपालिका में महिलाओं की भागीदारी 50 फीसदी होनी चाहिए। इस समय न्यायपालिका में महिलाओं की भागीदारी करीब 15 फीसदी है। सवाल है कि जब संसद और विधान मंडलों में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने के लिए 2010 में राज्यसभा से 108वां संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के बावजूद इसे लोकसभा से पारित नहीं कराया जा सका तो वहां न्यायपालिका में महिलाओं की 50

फीसदी भागीदारी के से सुनिश्चित हो। न्यायपालिका में महिलाओं की भागीदारी के वृद्धि के लिए समय-समय पर आरक्षण की मांग उठती रहती है लेकिन संविधान में इसकी कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसी स्थिति में न्यायपालिका, विशेषकर उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालयों में महिलाओं की भागीदारी एक सम्मानित स्तर तक ले जाने में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए उनके नामों का चयन और सिफारिश करने वाली शीर्ष अदालत की कॉलेजियम अहम भूमिका निभा सकती है। महिलाओं के लिए संसद और विधान मंडलों में 33 प्रतिशत आरक्षण के सवाल पर विभिन्न दलों में मतभेद रहा है। लैंगिक समानता का सवाल उठते ही विभिन्न दलों के नेता चाहते हैं कि महिला आरक्षण के भीतर भी जाति आधारित आरक्षण की व्यवस्था हो। प्रधान न्यायाधीश चाहते हैं कि यह स्थिति बदले। लेकिन इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति होना भी आवश्यक है। आज भी राजनीतिक दल चुनाव में 33 प्रतिशत महिलाओं को प्रत्याशी नहीं बनाते हैं। अगर हम वास्तव में लैंगिक समानता चाहते हैं तो हमें हर तरह के भेदभाव के विचार से ऊपर उठकर महिलाओं के लिए आरक्षण संबंधी संविधान संशोधन विधेयक संसद से मंजूर करने की दिशा में ठोस कदम उठाना चाहिए। लड़कियों के विवाह की आयु लड़कों के विवाह की उम्र के बराबर करना या फिर

मुस्लिम समाज में प्रचलित तीन तलाक की कुप्रथा समाप्त करने के लिए कानून बनाने जैसे कदम भले ही सरसहानी हों लेकिन ये प्रयास नहीं हैं। नि-संदेह पिछले कुछ दशकों में समाज और परिवारों में महिलाओं की स्थिति में काफी बदलाव हुआ। समाज के लगभग सभी क्षेत्रों में निरंतर महिलाओं की भागीदारी में वृद्धि हुई है लेकिन अभी भी इस दिशा में बहुत कुछ करने की जरूरत है। महिलाओं को तरह-तरह के शोषण से संरक्षण प्रदान करने के लिए देश में अनेक कानून हैं लेकिन इसके बावजूद उनके उत्पीड़न से संबंधित घटनाओं की खबरें लगातार सुर्खियों में रहती हैं। इस तरह की घटनाओं पर नियंत्रण पाने के लिए महिलाओं के प्रति समाज को अपना नजरिया बदलना होगा और इसके लिए जरूरी है कि महिलाओं को समान अधिकार प्राप्त होने के बारे में ग्रामीण स्तर से लेकर शहरी स्तर तक व्यापक रूप से जागरूकता पैदा की जाये। ऐसा नहीं है कि देवगौड़ा सरकार ने पहल की थी और उसने लोकसभा में एक विधेयक भी पेश किया था। लेकिन यह प्रयास विफल हो गया। इसके बाद, अटल बिहारी वाजपेयी की राजग सरकार ने भी 1998 में लोकसभा में इस बारे में



संविधान संशोधन विधेयक पारित करने का प्रयास किया। वर्ष 2002 और 2003 में भी ऐसे प्रयास हुए थे। अतः मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली रांप्रग सरकार ने साल 2008 में राज्यसभा में महिला आरक्षण विधेयक पेश किया। राज्यसभा ने मई, 2010 में इसे पारित भी किया लेकिन सरकार ने घटक दलों के रवये की वजह से इसे लोकसभा में पेश नहीं किया। इस संशोधन विधेयक को आज भी लोकसभा में बहस का इंतजार है। लोकसभा में पूर्ण बहुमत वाली नरेंद्र मोदी सरकार को राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय देते हुए महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने वाले इस संविधान संशोधन विधेयक को सदन से मंजूरी दिलाने का काम करना चाहिए। ताकि राज्य और केंद्रीय स्तर पर नीतिगत निर्णय लेने वाली संस्था में वे सक्रिय भूमिका निभा सकें।

## सू-दोक् नवताल -2066

		6		5	2
	9		7	2	1
1			9		
9	3		6		7
		5		6	
	4		3		8
					9
8		7	9	6	5
4		2			9

## सू-दोक् -2065 का हल

4	9	2	3	1	8	7	5	6
5	8	7	6	4	2	1	3	9
6	1	3	9	5	7	2	8	4
2	6	1	4	8	9	3	7	5
8	4	5	7	6	3	9	1	2
3	7	9	1	2	5	6	4	8
9	2	8	5	3	1	4	6	7
7	3	4	8	9	6	5	2	1
1	5	6	2	7	4	8	9	3

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

## बायें से दायें-

- जतिन त्रेवाल, यश पाठक, नेहा को 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-3
- 'मेघ मन तेग प्यासा' गीतवाली देव आनंद, जाहिरा, जाहिरा की फिल्म-4
- सनी, मीनाक्षी को 'सोचना क्या जो भी होगा' गीतवाली फिल्म-3
- 'कब तक हुजूर रुठे रहोगे' गीतवाली जौहरी, बबिता की फिल्म-3
- धर्मन, हेमा, रीना राय को 'नागिन सा रूप है तेरा' गीतवाली फिल्म-4
- 'सपने में मिलती है' गीतवाली डी. चक्रवर्ती, मनोज, जर्मिला को फिल्म-2
- रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तन्वी, नादिरा बख्श को 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीतवाली फिल्म-3
- 'क्या करे क्या ना करे' गीतवाली जैको श्रॉफ, जर्मिला को फिल्म-3
- सनी देओल, करिश्मा को 'छमक छल्ले जरा धीरे' गीतवाली फिल्म-3
- जैको श्रॉफ, संजय, माधुरी को फिल्म-5
- फरख शोब, नसीरुद्दीनशाह, दीपि नवल को सई परंजपे निर्देशित एक फिल्म-2
- 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीतवाली अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-2
- रकेश रोशन, रेखा को 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीतवाली फिल्म-5
- 'पढ़ें में कोई बैठा है' गीतवाली अमजद खान, विनोद मेहरा, विंदिया गोस्वामी की फिल्म-2
- संजय दल, सलमान खान, खीना को 'सुनो गौर से' गीतवाली फिल्म-2
- 'जिसका मुझे था इंतजार' गीतवाली अमिताभ, जीतन अमान की फिल्म-2
- मिलिंद सोमण, विक्रम सलुजा, किरण खेरी को फिल्म-3
- फिल्म 'रफूचकर' में नायिका थी-2

## फिल्म वर्ग पहेली-2066

1		2		3	4	5
		6		7		
8		9		10		
		11		12	13	
14			15		16	
		17	18			19
	21			22		20
23			24			25
					26	27
					28	30
			29			

## ऊपर से नीचे-

- 'मेरा नाम है चमेली' गीतवाली संजय कुमार, नागिमा, कुमकुम की फिल्म-2,2,2
- तुषार कपूर, अंतर माली को 'मैं लव तुम्हें' गीतवाली फिल्म-3
- 'सिफतुम ही हो हो जिससे' गीतवाली शमीमकपूर, साधना को फिल्म-5
- अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला को 'दिल में जो बात' गीतवाली फिल्म-2
- 'मधुवन में जो कन्हैया' गीतवाली आमिरखान, प्रेसीसिंह को फिल्म-3
- संजयखान, बबिता को 'आ लगजा गले' गीतवाली फिल्म-2,2
- 'रुकी रुकी रोटी' गीतवाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी को फिल्म-3
- 'क्या सही थार है' गीतवाली फिल्म

- 'गुंकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कीन थी-3
- जौहरी, श्रेदेवी को 'आई लव यू आई लव यू' गीतवाली फिल्म-5
- 'ओम्फने चलता है ज़ुलता है' गीतवाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद को फिल्म-3
- संजय दत्त, माधुरी दीक्षित को 'तम्मा तम्मा लोने' गीतवाली फिल्म-4
- 'लो आगई उनकी याद' गीतवाली मनोज कुमार, आशा परेश को फिल्म-1,3
- अक्षय कुमार, करीना कपूर को 'तुने कहा जब से हों' गीतवाली फिल्म-3
- 'और क्या आद ए चक्का' गीतवाली सनी देओल, अमृतासिंह को फिल्म-2

## फिल्म वर्ग पहेली-2065

अ	ख	ग	घ	ङ	च	ज	झ	ञ
क	ख	ग	घ	ङ	च	ज	झ	ञ
अ	त	थ	द	ध	न	प	फ	ब
ज	श	ष	स	ह	ळ	ळ	ळ	ळ
रु	दि	डा	जी	व	त	पा		
क	ख	ग	घ	ङ	च	ज	झ	ञ
यु	रु	रु	रु	रु	पा	ल	की	
ला	इ	ला	म	अ	य	जा		
म	श	क	अ	ल				
क	र	दी	ब	का	न	कि	दा	





## नाश्ते में रवा उपमा खाने से मिलेंगे ये लाभ

नाश्ते में अगर कुछ अच्छा (स्वादिष्ट और हल्की) खाने को मिल जाए तो पूरा दिन मूड अच्छा रहता है और आप अपनी प्रोडक्टिविटी में भी अच्छा परिणाम देखते हैं। बस, जरूर इस बात की है कि हम सभी अपने काम और अपने शरीर की जरूरतों को समझें, लेकिन हममें से ज्यादातर लोग बस यही मात खा जाते हैं। आइए, जानते हैं दिन की बेहतर शुरुआत करने में रवा उपमा किस तरह हमारी सहायता कर सकता है।

### रवा खाने के फायदे

- दक्षिणी भाग में सूजी को रवा कहा जाता है। उत्तर भारत और हिंदी भाषी राज्यों में सूजी का हलवा जिस तरह आठ दिन घरों में बनता है और सभी बहुत चाव से खाते हैं। टीक इसी तरह सूजी से तैयार उपमा यानी रवा उपमा दक्षिण भारत में बहुत अधिक लोकप्रिय भोजन है।
- रवा यानी सूजी गेहूं से तैयार होती है। यह फाइबर से भरपूर होती है इसलिए इसे पचाना हमारे पाचन तंत्र के लिए आसान होता है।
- फाइबर धीमी गति से डायजेस्ट होता है इसलिए यह लंबे समय तक हमारे शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है।
- यानी रवा से बना उपमा खाने के बाद जल्दी से भूख नहीं लगती, नींद नहीं आती और आप लंबे समय स्वयं को तक ऊर्जावान महसूस करते हैं।
- रवा उपमा तैयार करते समय इसमें मौसमी सब्जियां मिलाई जाती हैं। यानी इसे खाने से आपको संपूर्ण

पोषण प्राप्त होता है। सब्जियों से विटमिन और मिनरल्स साथ ही रवा से दिनभर के लिए ऊर्जा।

- रवा उपमा बनाने में मूंगफली और ड्राई फ्रूट्स का उपयोग किया जाता है। इन्हें खाने से आपको सभी जरूरी अमीनो एसिड्स, ओमेगा-3 फेटी एसिड, फॉलिक एसिड और विटमिन तथा मिनरल्स की प्राप्ति होती है।
- रवा उपमा फेट यानी वसा और हानिकारक कॉलेस्ट्रॉल से पूरी तरह फ्री होता है। इसलिए यह आपके हार्ट की सेहत के लिए भी एक शानदार नाश्ता है। जो हृदय की पंपिंग को सही बनाए रखने और अपने पोषक तत्वों से रक्त का प्रवाह बनाए रखने का काम करता है।
- रवा उपमा खाने में बहुत अधिक स्वादिष्ट और साथ ही सेहत के गुणों से भरपूर होता है। इसलिए साउथ इंडिया से निकलकर इस फूड ने देश के हर हिस्से और घर में अपनी जगह बना ली है।
- आज के समय में पोहा (मुख्य रूप से मध्य भारतीय आहार) दही चूड़ा (मुख्य रूप से बिहार का भोजन) और रवा उपमा तथा इडली (दक्षिण भारतीय भोजन) अपने-अपने राज्यों की सीमाएं पार कर नेशनल फूड बन चुके हैं।
- इसकी खास वजह है कि इन फूड्स को तैयार करने में कम समय लगता है। ये पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और कम ऑइली होने के कारण फिटनेस को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। इसके साथ ही पाचन के लिहाज से बहुत अच्छे होते हैं तो इन्हें खाने के बाद आलस भी नहीं आता है।



## शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें

शरीर में पानी की कमी को हल्के में ना लें। ये आपको कई गंभीर बीमारियों की तरफ धकेल सकती है, चिकित्सा विज्ञान के अनुसार हमारे शरीर का 30 प्रतिशत हिस्सा तरल है और बाकी 70 प्रतिशत में अस्थि और मज्जा शामिल है। यही वजह है कि जल को जीवन की संज्ञा दी गई है। क्योंकि मनुष्य बिना भोजन के कुछ समय रह सकता है लेकिन बिना पानी के रहना असंभव होता है। यानी जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। पानी तो हम सभी लोग पीते हैं लेकिन ज्यादातर लोग शरीर की जरूरत के अनुसार उचित मात्रा में पानी नहीं पीते हैं। यही कारण है कि हमारे समाज में बड़े स्तर पर सूखे की बीमारी से पीड़ित पेशेंट देखे जा सकते हैं। खासतौर पर गर्मी के मौसम में डिहाइड्रेशन के मरीजों की मानो बाढ़ आ जाती है।

### हल्के में ना लें यह समस्या

- आमतौर पर शरीर में पानी की कमी होने को हम सभी बहुत हल्के में लेते हैं। यह एक बड़ी वजह है कि डिहाइड्रेशन के कारण बड़ी संख्या में रोगियों की मृत्यु हो जाती है। आइए, यहां जानते हैं शरीर के उन सामान्य लक्षणों के बारे में जो आपके शरीर में पानी की कमी को दर्शाते हैं। ताकि इन लक्षणों के आधार पर आप तुरंत इस समस्या से निजात पा सकें।

### पानी की कमी के सामान्य लक्षण

- जब शरीर में पानी की कमी होती

है तो आपके होंठ बहुत सूखे-सूखे हो जाते हैं और उनकी बाहरी त्वचा फटने लगती है। कई बार होंठों से खून भी आने लगता है।

### यूरिन, स्किन और मसल्स पर असर

- जब शरीर में पानी की कमी होती है तो पेशाब गाढ़े पीले रंग का आता है। इसके साथ मात्रा में सामान्य से कम होता है और पेशाब के बाद प्राइवेट पार्ट में जलन या खुजली की समस्या हो सकती है।
- डिहाइड्रेशन से जुड़ रहे लोगों के शरीर की त्वचा भी बहुत रूखी और बेजान नजर आती है। जो लोग लंबे समय से पानी की कमी से जुड़ रहे होते हैं, उनकी त्वचा पर कम उम्र में ही झुर्रियां नजर आने लगती हैं।
- पानी की कमी से मांसपेशियों में दर्द, ऐंठन और जकड़न की समस्या हो सकती है। इसके साथ ही सिर में लगातार दर्द बना रहता है। इस कारण रोगी का चेहरा मुड़ाया हुआ और तेजहीन लगता है।
- जो लोग शरीर की जरूरत के अनुसार पानी नहीं पीते हैं, उनकी आंखों के नीचे काले घेरे साफ देखे जा सकते हैं। इन लोगों की आंखें अंदर घसने लगती हैं और इन्हें हर समय कमजोरी का अहसास बना रह सकता है।



## सेहत समस्याओं से निजात पाने के लिए पुदीने के घरेलू नुस्खे

गर्मियों का मौसम आते ही भूख कम लगने लगती है, पेट व त्वचा की गर्मी बढ़ जाती है। ऐसे मौसम में ऐसी चीजें खाने की जरूरत होती है जो आपको ठंडक दे और पुदीना इस मौसम के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। गर्मियों में पुदीना या मिंट के अलग-अलग इस्तेमाल से कई सेहत लाभ पाए जा सकते हैं। आइए, जानते हैं पुदीना के ये 8 बेहतरीन घरेलू नुस्खे

- पेट की गर्मी को कम करने के लिए पुदीने का प्रयोग बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा यह पेट से संबंधित अन्य समस्याओं से भी जल्द निजात दिलाने में लाभकारी है। इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है।
- दिनभर बाहर रहने वाले लोगों को पेट के तलवों में जलन की शिकायत रहती है, ऐसे में उन्हें फ्रिज में रखे हुए पुदीने को पीसकर तलवों पर लगाया चाहिए ताकि तुरंत राहत मिल सके। इससे पेट की गर्मी भी कम होगी।
- सूखा या गीला पुदीना छाछ, दही, कच्चे आम के पत्ते के साथ मिलाकर पीने पर पेट में होने वाली जलन दूर होगी और ठंडक मिलेगी। गर्मी हवाओं और लू से भी बचाव होगा।
- अगर आपको अक्सर टॉक्सिन्स की शिकायत रहती है और इसमें होने वाली सूजन से भी आप परेशान हैं तो पुदीने के रस में सादा पानी मिलाकर इस पानी से गरारे करना आपके लिए फायदेमंद होगा।
- गर्मी में पुदीने की चटनी का रोजाना सेवन सेहत से जुड़े कई फायदे देता है। पुदीना, काली मिर्च, हींग, सेंधा नमक, मूनुका, जीरा, छुहारा सबको मिलाकर चटनी पीस लें। यह चटनी पेट के कई रोगों में बचाव करती है व खाने में भी स्वादिष्ट होती है। भूख न लगने या खाने से अरुचि होने पर भी यह चटनी भूख को खोलती है।
- पुदीने व अदरक का रस थोड़े से शहद में मिलाकर चटने से खांसी ठीक हो जाती है। वहीं अगर आप लगातार हिचकी आने से परेशान हैं तो पुदीने में चीनी मिलाकर धीरे-धीरे चबाएं। कुछ ही देर में आप हिचकी से निजात पा लेंगे।
- पुदीने की पत्तियों का लेप करने से कई प्रकार के चर्म रोगों को खत्म किया जा सकता है। घाव भरने के लिए भी यह उत्तम है। इसके अलावा गर्मी में इसका लेप चेहरे पर लगाने से त्वचा की गर्मी समाप्त होगी और आप ताजगी का अनुभव करेंगे।
- पुदीने का नियमित रूप से सेवन आपको पीलिया जैसे रोगों से बचाने में सक्षम है। वहीं मूत्र संबंधी रोगों के लिए भी पुदीने का प्रयोग बेहद लाभदायक है। पुदीने के पत्तियों को पीसकर पानी और नींबू के रस के साथ पीने से शरीर की आंतरिक सफाई होगी।



## हल्की-हल्की भूख में लें इन तीन सूप का मजा

नाश्ते के बाद और लंच से पहले वाली भूख को हैंडल करने के लिए ज्यादातर लोग चाय, कॉफी या फास्ट फूड और डिब्बाबंद फूड्स का सेवन करते हैं। लेकिन हम यहां आपको चंद मिनट में तैयार होनेवाले उन 3 खास सूप के बारे में बताते जा रहे हैं, जो आपको अपनी तो लाइफ सेट है! जैसा फील देंगे, वैजिटेबल सूप

- मौसमी सब्जियों के साथ आप मिक्स वेज सूप तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आप किसी एक सब्जी को उबालकर उसका सूप बनाएं और शिमला मिर्च, बीन्स, मशरूम, हरी प्याज और आलू को महीन टुकड़ों में काटकर इन्हें अलग उबाल लें।
- पहले से तैयार सूप में इन सब्जियों को मिलाएं और अपने स्वाद के हिसाब से काला नमक, जीरा पाउडर आदि मिलाएं। ध्यान रखें सूप को गाढ़ा करने के लिए कॉर्नफ्लोर मिलाया जाता है। आप इसका उपयोग कर सकते हैं लेकिन अधिक मात्रा में इसे मिलाने से बचें। नहीं तो यह आपके वजन को बढ़ाने की वजह बन सकता है।

### चुकंदर का सूप

- चुकंदर का सूप बनाने के लिए आप टमाटर, आलू, प्याज, लहसुन, काली मिर्च का पाउडर और नींबू का रस जैसी चीजों का उपयोग करते हैं। ये सभी बहुत पौष्टिक और सेहत को फिट रखनेवाली चीजें हैं।
- चुकंदर का सूप तैयार करने के लिए एक कुकर में बारीक कटे प्याज और लहसुन भून लें। इसके बाद कटे हुए चुकंदर, आलू और टमाटर डालकर भूनें। इन्हें दो मिनट पकाने के बाद कुकर को बंद कर दें और इसमें धीमी आंच पर 4 सीटी आने दें।
- तैयार मिश्रण को मिक्सी में डालकर पीसें और गाढ़ा लिक्विड तैयार करें। इसे छान लें और काली मिर्च पाउडर तथा नींबू का रस मिलाकर सूप तैयार करें और इसे हरी धनिया पत्तियों के साथ गार्निश करके सूप का लुफ्ट उड़ाएं।

### मूंग दाल का शोरबा

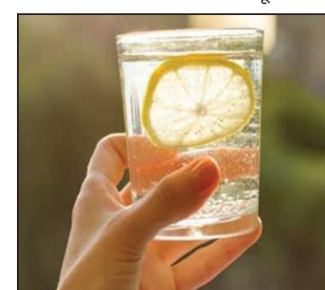


- मूंग दाल का शोरबा मात्र 10 मिनट में तैयार हो जाता है। इसके लिए आप बिना छिलके की मूंग दाल को धुलकर कुकर में 3 से 4 सीटी लगा लें। इसे तैयार करते समय आपको पानी की मात्रा सामान्य दाल बनाने से दोगुना रखें और गैस की धीमी आंच पर रखकर ही पकाएं।
- अब इसमें हरी धनिया पत्ती, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा कच्चा प्याज मिलाकर तड़का लगा दें। मसलों के नाम पर इसमें सिर्फ हल्दी पाउडर का उपयोग करें, हल्का काला नमक मिलाएं और काली मिर्च पाउडर मिक्स करके गर्मागर्म शोरबा का लुफ्ट उड़ाएं।



### गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलिसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।



### डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सीफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए।

### मेटाबोलिज्म बढ़ाने के लिए चाय आजमाएं

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कढ़ूस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।



### कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रेनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लेकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डाइट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डाइट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती है। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है।

## खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

### सिलेरी जूस

#### (अजमोद का रस)

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बर्न जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का

कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।



### वजन घटाने के पांच बुनियादी नियम भी जानें

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपको ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।



## यूई के तेल उत्पादन बढ़ाने के संकेतों से कच्चे तेल में गिरावट



मुंबई ।

कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट देखने को मिली है। बताया जा रहा है कि कीमतों पर नियंत्रण के लिए यूई तेल उत्पादन बढ़ाने

के पक्ष में है। इसी के साथ तेल की कीमतों में गुरुवार को अधिकतम 18 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली है और ब्रेट क्रूड 113 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से नीचे आ गया है। इससे पहले इसी हफ्ते

ब्रेट क्रूड 139 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के करीब पहुंच गया था। कीमतों का ये स्तर बीते 14 सालों में सबसे ऊंचा स्तर रहा है। रूस यूक्रेन संकट की वजह से कीमतों में एक हफ्ते में 30 प्रतिशत से ज्यादा की उछाल देखने को मिल चुका है। दरअसल एक खबर में अमेरिका में यूई के राजदूत के हवाले से लिखा है कि यूई उत्पादन बढ़ाने के पक्ष में है। वहीं रॉयटर्स ने बाजार के जानकारों से बात कर लिखा है कि यूई तुरंत 8 लाख बैरल तेल का उत्पादन बढ़ा सकता है, जो कि रूस पर लगे प्रतिबंधों से घटी सप्लाई के सातवें हिस्से की भरपाई कर देगा। वहीं

आने वाले समय में ईरान से भी सप्लाई बढ़ने का अनुमान है जिससे भी आगे दबाव और कम होने का अनुमान दिया गया है। इन संकेतों को देखते हुए जानकारों ने अनुमान दिया है कि कीमतों में आगे और कमी आ सकती है। दरअसल तेल उत्पादक देशों को भी आशंका है कि तेल कीमतों में इतने उछाल से मांग पर नकारात्मक असर पड़ेगा, वहीं अर्थव्यवस्थाओं में महंगे तेल से अगर सुस्ती आती है।

तो कच्चे तेल की कीमतों में और गिरावट आएगी। इसलिए ओपेक देश तेल उत्पादन बढ़ा सकते हैं।

## यूक्रेन ने गेहूं, जई और अन्य खाद्य पदार्थों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया

लंदन ।

यूक्रेन सरकार ने गेहूं, जई और अन्य खाद्य अनाज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। यूक्रेन के अधिकारी यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि वे रूस के साथ गहन युद्ध के दौरान लोगों को भोजन उपलब्ध करा सकें। एक सरकारी घोषणा के अनुसार इस सप्ताह पेश किए गए कृषि निर्यात पर नए नियम भी मोटे अनाज,

कुई, चीनी, जीवित मवेशी और मांस एवं इसके अन्य उप-उत्पादों के निर्यात पर रोक लगाते हैं। यूक्रेन के कृषि और खाद्य नीति मंत्री रोमान लेशचेंको ने सरकारी वेबसाइट और अपने फेसबुक पेज पर जारी एक बयान में कहा कि यूक्रेन में मानवीय संकट बाजार को स्थिर करने और महत्वपूर्ण खाद्य उत्पादों में आबादी की जरूरतों को पूरा करने के लिए निर्यात प्रतिबंध की आवश्यकता है।

यह इस बात का ताजा संकेत है कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण से यूरोप, अफ्रीका और एशिया के लोगों की खाद्य आपूर्ति और आजीविका को खतरा है, एशिया के लोगों की खाद्य आपूर्ति और आजीविका को खतरा है, जो इस काला सागर क्षेत्र के खेतों पर निर्भर करते हैं। रूस और यूक्रेन मिलकर दुनिया के लगभग एक-तिहाई गेहूं और जौ के निर्यात की जरूरत की आपूर्ति करते हैं। वे जो

उत्पाद भेजते हैं, उन्हें दुनियाभर में ब्रेड, नूडल्स और जानवरों के चारे में बनाया जाता है और इनकी किसी भी प्रकार की कोई कमी होने से मिश्र और लेबनान जैसी जगहों पर खाद्य असुरक्षा की स्थिति पैदा हो सकती है। निर्यात प्रतिबंध संभवतः वैश्विक खाद्य आपूर्ति को घटा देगा और वह भी ठीक ऐसे समय में जब कीमतें वर्ष 2011 के बाद के अपने उच्चतम स्तर पर हैं।

## रूस और यूक्रेन युद्ध से भारत पर मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ा: रघुराम राजन



मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में पैदा हुए गतिरोध को देखते हुए भारत को कीमत नियंत्रण संबंधी अपनी प्रतिक्रिया में बदलाव लाने की

जरूरत है। राजन ने कहा कि महंगाई के खिलाफ इस जंग में हार होने पर न तो सरकार और न ही आरबीआई का मकसद पूरा हो पाएगा। किसी भी केंद्रीय बैंक के लिए सरकार से मिले निर्देश का सम्मान करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत के केंद्रीय बैंक को एक निर्देश है और वह उस पर खरा भी उतरा है। महामारी के समय ब्याज दरों में बढ़ोतरी न कर मध्यम स्तर की महंगाई को तरजीह दी गई। आरबीआई को यह निर्देश है कि महंगाई को चार फीसदी के स्तर पर रखा जाए, जिसमें दो

प्रतिशत कम या ज्यादा होने की गुंजाइश रखी गई है। किसी भी अन्य केंद्रीय बैंक की तरह हमें भी नई चुनौतियां आने पर समाधान करना है। ऐसा नहीं करने पर यह अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा नहीं होगा। यह पूछे जाने पर कि क्या भारत में महंगाई की मौजूदा स्थिति एक अस्थायी झटका है, तो उन्होंने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में पहले से ही ऊंचे स्तर पर मौजूद महंगाई के ऊपर की स्थिति है। इस तरह युद्ध का अतिरिक्त प्रभाव पड़ता है, जिससे महंगाई बढ़ रही है। आरबीआई की ओर से प्रस्तावित केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा से लेनदेन की गति में सुधार होगा। नकदी की लागत घटाने में मदद मिलेगी।

## इस साल 40 अरब डॉलर के निर्यात का आंकड़ा पार करेंगे: कपड़ा सचिव

नई दिल्ली ।

देश का कपड़ा निर्यात चालू वित्त वर्ष में 40 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर सकता है। कपड़ा सचिव यू.बी. सिंह ने बुधवार को एक समारोह में यह संभावना जताई। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर निर्यात में अधिकतम वृद्धि सूती धागे के माध्यम से होती है तो वह अधिक सतोषजनक स्थिति नहीं होगी। सिंह ने कहा, 'इस साल हम न केवल 40 अरब डॉलर का निर्यात लक्ष्य हासिल करेंगे, बल्कि इसको पार भी करेंगे।' उन्होंने कपड़ा उद्योग से इस पर ध्यान रखने को कहा कि निर्यात आंकड़े में वृद्धि मात्रा के आधार पर आ रही है या



दाम बढ़ने की वजह से। उन्होंने कहा, 'यदि यह वृद्धि मात्रा की वजह से हासिल होगी तो मुझे खुशी होगी।' सचिव ने कहा कि कुछ घटकों ने सूती धागे या कच्ची कपास के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया है, लेकिन सरकार ने जानबूझकर इस पर निर्णय नहीं लिया क्योंकि वह बाजार ताकतों में अधिक हस्तक्षेप नहीं करना चाहती है। व्यापक एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और परिधान (पीएम-मिन्त्र) पार्क को लेकर उन्होंने उम्मीद जताई कि 12 राज्य इसका हिस्सा बनने के लिए आगे

आएंगे। लेकिन सरकार ने जानबूझकर इस पर निर्णय नहीं लिया क्योंकि वह बाजार ताकतों में अधिक हस्तक्षेप नहीं करना चाहती है। परिधान उद्योग के कुछ घटकों ने सूती धागे या कच्ची कपास के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया है,

## संक्षिप्त समाचार



### जिंदल स्टील में इस्पात बिक्री बढ़कर 5.90 लाख टन रही

नई दिल्ली । जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड (जेएसपीएल) ने कहा कि फरवरी 2022 में इस्पात की बिक्री आठ फीसदी की वृद्धि के साथ 5.90 लाख टन रही। कंपनी ने एक बयान में बताया कि पिछले वर्ष समान अवधि में 5.47 लाख टन इस्पात की बिक्री हुई थी। उसने कहा कि पिछले महीने हुई कुल बिक्री में 24 फीसदी योगदान निर्यात का है। कंपनी ने कहा कि जेएसपीएल का इस्पात उत्पादन फरवरी 2022 में 6.57 लाख टन था जो पिछले वर्ष के मुकाबले कुछ अधिक है। कंपनी के प्रबंध निदेशक वीआर शर्मा ने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के कारण कच्चे माल की कीमतें बढ़ने से इस्पात के दाम बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि युद्ध खत्म होने के बाद भी बाजार में स्थिरता आने में कम से कम छह महीने का वक़्त लगेगा।

### केपीटीएल को 3,276 करोड़ के ऑर्डर का आशय-पत्र मिला

नई दिल्ली । ऊर्जा एवं अवसंरचना अनुबंध क्षेत्र की कंपनी कल्पतरु पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड (केपीटीएल) ने कहा कि उसे 3,276 करोड़ रुपये के ऑर्डर के लिए आशय-पत्र मिला है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि आशय-पत्र 700 किलोमीटर लंबी एचवीएलसी ऊर्जा परेषण लाइन की परियोजना के लिए मिला है जिसमें इसकी डिजाइन, इंजीनियरिंग, आपूर्ति और निर्माण शामिल है। उसने कहा कि इस परियोजना का अनुमानित लागत 3,276 करोड़ रुपये है।

### सरकार ने हाइड्रोप्लोरोकार्बन के आयात पर प्रतिबंधों का किया ऐलान

नई दिल्ली । सरकार ने घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए हाइड्रोप्लोरोकार्बन (एचएफसी) के आयात पर कई तरह की पाबंदियां लगा दीं। इस रसायन का इस्तेमाल रेफ्रिजरेटर और वातानुकूलन (एसी) में किया जाता है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि एचएफसी की आयात नीति को मुक्त से बदलकर कर में पाबंदी में डाल दिया गया है। हालांकि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र के आधार पर इसका आयात किया जा सकता है। आयातकों को अब इस रसायन के आयात के लिए निदेशालय से लाइसेंस या अनुमति लेनी होगी। डीजीएफटी ने एक एक अलग अधिसूचना में कहा कि आइसलैंड, लिक्टेटेस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड डीजीएफटी ने एक एक अलग अधिसूचना में कहा कि आइसलैंड, लिक्टेटेस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड समेत अन्य यूरोपीय देशों को चावल (बागमती और गैर-बागमती) के निर्यात के लिए अब निरीक्षण परिपत्र से प्रमाण पत्र की आवश्यकता होगी।

### सेबी के पूर्णका लिक सदस्य बने अश्विनी भाटिया

नई दिल्ली । सरकार ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के प्रबंध निदेशक अश्विनी भाटिया को भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) का पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त किया है। सूत्रों ने बताया कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने भाटिया की नियुक्ति को शुरुआत में तीन साल की अवधि के लिए मंजूरी दी और यह अवधि प्रभार सभालने की तारीख से शुरू होगी। उन्होंने कहा कि भाटिया को पूर्णकालिक सदस्य (ड्यूटीहोल्डिंग) बनाए जाने के साथ ही अब सेबी में पूर्णकालिक सदस्य का केवल एक पद रिक्त है। भाटिया को अप्रैल 2020 में एसबीआई का प्रबंध निदेशक बनाया गया था, वह इस वर्ष मई में सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

### अशनीर ग़ोवर और उनकी पत्नी ने 8.2 करोड़ अग्रिम कर का भुगतान किया



मुंबई । डिजिटल भुगतान कंपनी भारतपे के पूर्व प्रबंध निदेशक अशनीर ग़ोवर ने आकलन वर्ष 2022-23 के लिए 7.1 करोड़ रुपये के अग्रिम कर का भुगतान किया है। ग़ोवर की पत्नी माधुरी जैन ने भी अग्रिम कर के रूप में 1.1 करोड़ रुपये जमा किए हैं। जानकारी के मुताबिक अशनीर ग़ोवर ने आठ मार्च को 7.1 करोड़ रुपये के अग्रिम कर का भुगतान किया और माधुरी जैन ने भी आकलन वर्ष 2022-23 के लिए अग्रिम कर के रूप में 1.1 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। इसके साथ ही ग़ोवर लगातार दूसरे वर्ष सर्वाधिक कर अदा करने वाले स्टार्टअप संस्थापकों में से एक बन गए हैं। ग़ोवर, भारतपे में धन की कथित अनियमितता और कर चोरी के मामले को लेकर कर अधिकारियों की जांच के घेरे में हैं। जीएसटी अधिकारी भारतपे का बीते चार साल का लेखाजोखा जांच रहे हैं। बाहरी लेखा कंपनी की जांच में कथित वित्तीय अनियमितता में लिस पाए जाने के कारण भारतपे ने हाल में अशनीर ग़ोवर और उनकी पत्नी को सभी पदों से हटा दिया था।

### एक्सडीआर की तुलना में ज्यादा रिजॉल्यूशन वाला होगा डिस्प्ले

एप्पल स्टूडियो डिस्प्ले बनाने पर कर रही है काम

सेन फ्रांसिस्को ।

मौजूदा प्रो डिस्प्ले एक्सडीआर की तुलना में एप्पल 7000 से ज्यादा रिजॉल्यूशन वाला स्टूडियो डिस्प्ले बनाने पर काम कर रही है। एप्पल स्टूडियो डिस्प्ले एप्पल के प्रो डिस्प्ले एक्सडीआर 32-इंच 6000(6,016 ए-3,384 पिक्सल, 218 पीपीआई) रिजॉल्यूशन डिस्प्ले की तुलना में अधिक रिजॉल्यूशन का स्पॉट करेगा, जो 2019 के आइडि में लॉन्च हुआ था। पिछले साल, रिपोर्ट्स में सुझाव दिया था कि एप्पल बिल्ट-इन ए13 चिप के साथ एक नए डिस्प्ले का परीक्षण

कर रहा है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, क्वार्टर 2022 में मौजूदा प्रो डिस्प्ले एक्सडीआर की आधी कीमत पर एक नया बाहरी डिस्प्ले पेश करने की योजना बना रहा है। ब्लूमबर्ग के मार्क गुरमन ने हाल ही में बताया कि एप्पल ने 2022 में कई नए मैक पेश करने की योजना बनाई है, साथ ही एक नया बाहरी डिस्प्ले जो निर्यात यूजर्स पर लक्षित प्रो डिस्प्ले एक्सडीआर की कीमत का आधा है। एप्पल एक बड़े पैमाने पर 20-इंच के फोल्डेबल डिस्प्ले वाले डिवाइस पर भी काम कर रहा है, जो अगर बाजार में आता है, तो फोल्डेबल



के पूरे परिवर्तन को बदल देगा। एप्पल डिवाइस में एक ड्युअल-स्क्रीन डिस्प्ले होगा जो एक भौतिक कोर्नर और ट्रेकपैड के साथ में होगा और एक टचस्क्रीन यूजर्स को डिवाइस पर नेविगेट करने और टाइप करने में मदद करेगी। डिस्प्ले सप्लायर चैन कंसल्टेंट्स (डीएससीसी) के विश्लेषक रॉस यंग की एक रिपोर्ट ने पहले सुझाव दिया था कि एप्पल एक बड़ी, फोल्ड स्क्रीन के साथ एक उपकरण विकसित करने की योजना बना रहा है।

## सेबी के पास जो 24.000 करोड़ राशि है वह सहारा ग्रुप कंपनीज के निवेशकों के पुनर्भुगतान के लिए है



लखनऊ ।

सहारा इंडिया परिवार ने पटना हाई कोर्ट के समक्ष कहा कि सेबी के पास जो 24,000 करोड़ से अधिक की धनराशि जमा है, वह सहारा ग्रुप कंपनीज के निवेशकों के पुनर्भुगतान के लिए है। किंतु निवेशकों को सेबी से भुगतान नहीं मिला है और यह धनराशि सेबी के पास व्यर्थ पड़ी है। विगत 9 वर्षों में सेबी ने निवेशकों को केवल 128 करोड़ का ही पुनर्भुगतान किया है।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश में समूह की अन्य कंपनियों के निवेशकों की देनदारी चुकाने के प्रति कोई रोक नहीं है। माननीय पटना उच्च न्यायालय द्वारा जारी समन के अनुसरण में 8 मार्च, 2022 को सहारा की ओर से न्यायालय के समक्ष उपस्थित हुए वरिष्ठ अधिवक्ता उमेश प्रसाद सिंह ने एक लिखित उत्तर में यह बात कही। इसके साथ ही यह तर्क भी दिया गया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय या किसी अन्य न्यायालय द्वारा सेबी को सहारा की दो कंपनियों के अलावा अन्य कंपनियों/सोसाइटियों के निवेशकों को पुनर्भुगतान करने से रोकने के लिए कोई बाधा या आदेश पारित

नहीं किया गया है। जबकि उन कंपनियों द्वारा किए गए निवेश माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा फीज कर दिए गए हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वास्तव में माननीय लखनऊ उच्च न्यायालय के समक्ष दायर एक रिट याचिका में सेबी ने स्वयं यह कहा था कि सहारा से प्राप्त धन का उपयोग सहारा क्यू शां प सहित सभी निवेशकों को पुनर्भुगतान करने के लिए किया जाएगा। किसी भी स्थिति में यदि पुनर्भुगतान नहीं किया जाता है, तो पैसा ब्याज सहित सहारा को वापस कर दिया जाएगा। हालांकि, सेबी के इस तर्क के कथन और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिनांक 05.12.2012 के स्पष्ट आदेशों के बावजूद कि सेबी द्वारा सहारा को अधिशेष राशि वापस कर दी

जाएगी, परंतु सेबी ने न तो निवेशकों को भुगतान किया है और न ही सहारा को रिफंड किया है। ऐसे में सेबी के लिए केवल एक ही विकल्प खुला है कि या तो वह सहारा को पूरी राशि वापस करे या निवेशकों को पुनर्भुगतान करे। सहारा के वकील द्वारा दाखिल की गई दलीलों का सेबी के वकील संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। माननीय उच्च न्यायालय ने सेबी को 25.03.2022 को या उससे पहले लिखित में अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने आगे निर्देश दिया कि माननीय उच्च न्यायालय द्वारा उठाए गए सभी सवालों के जवाब देने के लिए मुंबई में सेबी के हेड ऑफिस का एक जर्जिमेंटार अधिकारी 28.03.2022 को अदालत में उपस्थित हो।

### चालू वित्त वर्ष में महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था के 12.1 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान: समीक्षा

मुंबई । महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था के वित्त वर्ष 2021-22 में 12.1 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। इस दौरान कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों की वृद्धि दर 4.4 प्रतिशत, उद्योग क्षेत्र की वृद्धि दर 11.9 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 13.5 प्रतिशत रह सकती है। महाराष्ट्र विधानसभा में बृहस्पतिवार को पेश वित्त वर्ष 2021-22 की राज्य आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में फसल उच्च में तीन प्रतिशत, पशुधन में 6.9 प्रतिशत, वानिकी में 7.2 प्रतिशत और मत्स्यपालन में 1.6 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। समीक्षा कहती है कि वित्त वर्ष 2021-22 में सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 31,97,782 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है जबकि प्रति व्यक्ति आय 1,93,121 करोड़ रुपये रह सकती है। वर्ष 2019-20 में प्रति व्यक्ति आय 1,96,100 करोड़ रुपये रही थी। बजट अनुमानों के मुताबिक, वर्ष 2021-22 में राजस्व प्रतियां 3,68,987 करोड़ रुपये रहेंगी। वित्त वर्ष 2020-21 में यह 2,89,498 करोड़ रुपये रही थी। आर्थिक समीक्षा के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में केंद्रीय अनुदान समेत राज्य का कर एवं गैर-कर राजस्व क्रमशः 2,85,534 करोड़ रुपये एवं 83,453 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। बजट अनुमानों के मुताबिक इस वित्त वर्ष में राजस्व खर्च 3,79,213 करोड़ रुपये रहेगा जबकि वर्ष 2020-21 के आर्थिक समीक्षा कहती है कि राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 2.1 प्रतिशत रहने का अनुमान इस वित्त वर्ष के बजट में जताया गया है।

## कच्चे तेल में नरमी के बीच सोने-चांदी के दाम में जोरदार गिरावट



बिजनेस डेस्क ।

सोने और चांदी के दामों में बीते दिनों से जारी तेजी पर गुरुवार

को ब्रेक लग गया और दोनों की कीमतें घटने लगीं। सोने की कीमतें 55 हजार के स्तर को छूने के बाद सोना एक बार फिर टूटकर 52 हजार के स्तर पर आ गया, वहीं 73 हजार होने के बाद चांदी का भाव भी गिरकर 70 हजार के नीचे आ गया। अगर आप आभूषण खरीदने का मन बना रहे

हैं तो पहले आपके लिए कीमती धातुओं के ताजा भाव जान लेना जरूरी है। आज सोने की कीमत 0.37 फीसदी फिसलकर 52,550 रुपये प्रति दस ग्राम पर आ गई। कच्चे तेल में गिरावट का असर कच्चे तेल की कीमतों में आई कमी का असर कीमती धातुओं के दाम पर भी देखने को मिल रहा है। इसके चलते जहां एक ओर सोने का दाम टूटा है तो दूसरी ओर

चांदी की कीमत में भी कमी आई है। चांदी में आज 0.09 फीसदी की गिरावट आई है और इसके साथ ही यह कीमती धातु 69,515 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। गौरतलब है कि कीमतों पर नियंत्रण के लिए यूई के तेल उत्पादन बढ़ाने के पक्ष में होने की खबरों के बीच तेल की कीमतों में 17 फीसदी तक की गिरावट देखने को मिली है और ब्रेट क्रूड 113 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से नीचे आ गया है।

इस तरह से जानें सोने की शुद्धता आभूषण बनाने के लिए ज्यादातर 22 कैरेट का ही इस्तेमाल होता है। कुछ लोग 18 कैरेट सोने का भी इस्तेमाल करते हैं। आभूषण पर कैरेट के हिसाब से हॉल मार्क बना होता है। 24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999 लिखा होता है, जबकि 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है।

### नथिंग कंपनी लॉन्च कर सकती नया स्मार्टफोन



नई दिल्ली । ट्विटर्स की एक सीरीज में कंपनी नथिंग के कार्ल पेई ने पिछले महीने एक संकेत दिया था कि स्मार्टफोन बिजनेस में एंट्री करने के लिए कंपनी काम कर रही है। अब एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी एक साल से ज्यादा समय से स्मार्टफोन पर काम कर रही है और इसे अगले महीने तक लॉन्च कर सकती है। कंपनी के करीबी एक सूत्र के अनुसार, कंपनी ने बार्सिलोना में इस हफ्ते के मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस इवेंट में इंडस्ट्री के कई प्रमुख अधिकारियों के साथ बैठक में डिवाइस का एक प्रोटोटाइप दिखाया है। टेकक्रंच ने ऐसी ही एक बैठक की एक फोटो भी शेयर की है जिसमें नथिंग के सीईओ ने क्वालकॉम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ मुलाकात की थी। हालांकि, स्मार्टफोन के बारे में कोई भी डिटेल्ड उपलब्ध नहीं है। इस प्रोटोटाइप में ठीक वैसी ही डिजाइन लैंग्वेज और ट्रांसपैरेंसी के एलीमेंट्स दिए जाएंगे जो कंपनी के पहले प्रोटोटाइप में देखे गए थे। पिछले साल जुलाई में एक इंटरव्यू के दौरान पेई ने कहा था कि हमारे पास पाइपलाइन में बहुत सारे प्रोटोटाइप हैं। इस साल की शुरुआत में, हमने एक कम्प्यूनिटी क्राउडफंडिंग राउंड किया था जहां हमने अपनी कम्प्यूनिटी को 1.5 मिलियन डॉलर आवंटित किए थे। यह वास्तव में बहुत जल्दी खरीदा गया था। साथ ही कंपनी ने कहा है कि हमारे प्रोटोटाइप को पोकेमोन के रूप में कोड-नाम दिया गया है, इसलिए उस स्टाइल पर बहुत सारे पोकेमोन हैं।





### शीर्ष क्रम की खराब बल्लेबाजी के कारण हारे : मिताली

**हैमिल्टन।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने आईसीसी महिला विश्व कप में न्यूजीलैंड से मिली हार पर निराश जाहिर की है। मिताली ने कहा कि हमारा शीर्ष क्रम उम्मीद के अनुसार बल्लेबाजी नहीं कर पाया। इसी कारण भारतीय टीम 261 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 198 रनों पर ही आउट हो गई। मैच खरने के बाद मिताली ने कहा कि टीम की गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया था पर मेजबान टीम का मध्यक्रम बीच के समय में अच्छे साझेदारी बनाने में सफल रहा। जिससे कीवी टीम एक अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही। भारतीय कप्तान ने कहा है कि 261 रनों का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था पर हमारा शीर्ष क्रम रन नहीं बना पाया जिससे टीम हार गयी। हमें क्रॉज पर टिककर बल्लेबाजी करने की जरूरत थी। बल्लेबाजी को और बेहतर करने की जरूरत है। गेंदबाजों ने आज अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्होंने पिछले मैच में भी अच्छा प्रदर्शन किया था पर बल्लेबाजी को आगे आने वाले मैचों के लिए सुधार करना होगा। भारत की ओ से केवल हरमनप्रीत कौर ही 71 रन बना पायीं। अन्य बल्लेबाजी असफल रही। इस मैच में मेजबानों की ओर से अमेलिया केर ने 50, सैदरवैट ने 75 वहीं कैटी मार्टिन ने 41 रन बनाए थे। वहीं भारतीय टीम की ओर से पूजा ने 34 रन देकर चार विकेट लिए थे।

### आईसीसी विश्व कप क्रिकेट

# महिला विश्वकप न्यूजीलैंड ने भारतीय टीम को 62 रनों से हराया : आईसीसी



**हैमिल्टन।**

आईसीसी विश्व कप क्रिकेट के अपनी दूसरे मुकामले में भारतीय

जीतकर मेजबान न्यूजीलैंड टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। मेजबान कीवी टीम ने एमी सैदरवैट 75 और अमेलिया केर 50 के शानदार अर्धशतकों की सहायता से 50 ओवरों में नौ विकेट पर 260 रन बनाए। इसके बाद 261 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 198 रनों पर ही सिमट गयी। भारत की ओर से अनुभवी खिलाड़ी हरमनप्रीत कौर ने सबसे ज्यादा 71 रन बनाये पर किसी ओर बल्लेबाज का साथ न मिलने

के कारण वह टीम को जीत नहीं दिला पायीं। बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत ठीक नहीं रही। अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना 6 और दीप्ति शर्मा 5 रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गयीं। इसके बाद यस्तिका भाटिया ने 28 जबकि कप्तान मिताली राज ने 56 गेंदों में एक 31 रन बनाए। इसके बाद हरमनप्रीत ने तेजी से रन बनाये। हरमनप्रीत ने 63 गेंदों में 6 चौके और 2 छकों की मदद से 71 रन बनाए। हरमनप्रीत के अलावा स्नेह

राणा ने 18, झूलन गोस्वामी ने 15 जबकि मेघना सिंह ने 12 रन बनाए। इससे पहले न्यूजीलैंड की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही थी। सलामी बल्लेबाज सूजी बेट्स केवल 5 रनों पर ही आउट हो गयीं। इसके बाद कप्तान सोफिया डिवइन ने 35 रन बनाकर टीम को संभाला। अमेलिया केर ने 50 जबकि सैदरवैट ने 75 रन बनाए। मैडी ग्रीन 27 और कैटी मार्टिन ने 41 रन बनाकर अपनी टीम को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया।

### एशियन पॉवरलिफ्टिंग एवं बेंच प्रेस चैंपियनशिप में पदक विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

**इन्दौर।**

इस्तांबुल (तुर्की) में आयोजित एशियन पॉवरलिफ्टिंग एवं बेंच प्रेस चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व कर मध्यप्रदेश टीम के 14 खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन कर पदक प्राप्त किए। यह प्रदेश के लिए अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्हें म.प्र. पॉवरलिफ्टिंग एसोसिएशन द्वारा ट्रैकसूट एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। चैंपियनशिप में मोनीष चक्रवर्ती 105 किग्रा सबजूनियर कांस्य पदक, हैदर शाह 74 किग्रा जूनियर रजत पदक, लव मलिक 74 किग्रा जूनियर कांस्य पदक, ध्रुव राज कुरे 59 किग्रा ओपन 1 रजत पदक, अंकित चौहान 120 किग्रा ओपन

1 कांस्य और चौथा, परीतेश पाल 120+ किग्रा ओपन 1 रजत पदक, अशोक कुमार तिवारी 74 किलो मास्टर-3 8 स्वर्ण पदक,



संजीव राजदान 93 किलो मास्टर-3 स्वर्ण पदक, शशिकांत दुबे 83 किग्रा मास्टर-4 2 स्वर्ण पदक, आदित्य बैरागी 69 किग्रा जूनियर रजत पदक, पूजा माली 47 किग्रा ओपन 1 रजत पदक, ईशा सिंह 84 किग्रा ओपन 4 रजत पदक, मीना शर्मा 63 किलो मास्टर-1 2 स्वर्ण पदक, शिवकन्या गुप्ता 76 किलो मास्टर-2 8 स्वर्ण पदक जीते थे। सभी अंतरराष्ट्रीय पदक

विजेता पावरलिफ्टिंग को विश्वामित्र अर्वाडी दविंदर सिंह खन्ना, दिनेश सोनगार, देवेन्द्र नाहर, योगेंद्र हाडिया, श्रीराम तारे, रमेश चंद नामदेव, लुइस नरोना, आशीष जैन, धर्मेद पालीवाल, मनीष पालीवाल, नरेंद्र बिराडे, जितेंद्र स्वामी, चंदन चौधरी, भीम सोनकर, शिवकन्या गुप्ता, मुकेश भिलवारे अरुण शर्मा, शानुना शर्मा, विकास जोशी ने सम्मानित किया।

### अट्यर, मिताली और दीप्ति आईसीसी महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी क टैट में शामिल



**मुम्बई।** भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को पुरुष जबकि महिला वर्ग से कप्तान मिताली राज और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को फरवरी माह में किये अच्छे प्रदर्शन के लिये आईसीसी 'महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। इसके अलावा पुरुष वर्ग से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बल्लेबाज नुव्व अरविंद और नेपाल के दीपेंद्र सिंह एरी भी पुरस्कार की दौड़ में शामिल हैं। वहीं महिला वर्ग से न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर एमेलिया केर, मिताली और दीप्ति के नाम भी इसमें शामिल हैं। अय्यर ने फरवरी में भारत की ओर से शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतिम एकदिवसीय में 80 रन बनाये और आखिरी टी20 में 16 गेंदों में 25 रन बनाए। अय्यर श्रीलंका के खिलाफ टी20 श्रृंखला में तीसरे नंबर पर उभरे और उन्होंने तीनों मैचों में अर्धशतक लगाये। इस प्रकार उन्होंने 174.35 की स्ट्राइक रेट से 204 रन बनाये। इस प्रकार उन्होंने 174.35 की स्ट्राइक रेट से 204 रन बनाये। उन्हें इसके लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड मिला। वहीं मिताली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन अर्धशतक समेत 232 रन बनाए। अंतिम एकदिवसीय में वह 54 रन बनाकर नाबाद रही। हरफनमौला दीप्ति ने एकदिवसीय सीरीज सबसे ज्यादा दस विकेट लेने के साथ ही 116 रन भी बनाए।

# हॉकी इंडिया ने जर्मनी के खिलाफ मुकाबले के लिए महिला टीम घोषित की

**नई दिल्ली।**

सविता पुनिया की कप्तानी में भारतीय महिला हॉकी टीम जर्मनी के खिलाफ 12 और 13 मार्च को भुवनेश्वर के कलिंग स्टेडियम में एफआईएच महिला हॉकी प्रो लीग के दो घरेलू मैचों में उतरेगी। इन मैचों के लिए हॉकी इंडिया ने 22 सदस्यीय भारतीय महिला टीम घोषित कर दी है। इस मैचों में दिप ग्रेस एक्का को उप कप्तान बनाया गया है। युवा डिफेंडर अक्षता अबसो डेकारे और स्ट्राइकर दीप्ति का जूनियर टीम में नई खिलाड़ी होंगी। भारतीय महिला हॉकी टीम की मुख्य कोच जेनरेके शोपमैन ने टीम चयन के बारे में कहा कि एक मजबूत विरोधी के खिलाफ अपनी घरेलू धरती पर



खेलने से टीम का प्रदर्शन निखरेगा। उन्होंने कहा कि चयनित टीम के पास अच्छा कौशल है। उसके खिलाड़ी बहुत अच्छी तरह से बचाव करते हैं और आक्रमण करने में भी तेज हैं। उन्होंने कहा कि चयनित टीम के पास अच्छा कौशल है। उसके खिलाड़ी बहुत अच्छी तरह से बचाव करते हैं और आक्रमण करने में भी तेज हैं। हमने युवा प्रतिभाओं के साथ ही अनुभवी खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। हम स्पेन के खिलाफ मुकाबलों में बनी लय आगे भी बनाये रखेंगे।

- भारतीय टीम इस प्रकार है :**
- गोलकीपरस : सविता पुनिया, बिचु देवी खरीबम। डिफेंडर्स : दीप ग्रेस एक्का, गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, अश्वता अबसो डेकारे।
  - मिडफील्डर्स : निशा, सलीमा टेटे, सुशीला चानू, पुखारामबम, ज्योति, मोनिका, नेहा, नवजोत कौर, सोनिका।
  - फॉरवर्ड्स : राजविंदर कौर, शर्मिला देवी, नवनीत कौर, लालरेंभियामा, सगीता कुमारी, मारियाना कुजूर और दीप्ति का जूनियर।
  - स्टैंड बाय खिलाड़ी : रजनी एतिमारपू, इशिका चौधरी, नमिता टोपाम।

### संक्षिप्त समाचार



### दिन-रात्रि टेस्ट के लिए बंगलुरु पहुंची भारतीय और श्रीलंकाई क्रिकेट टीमें

**बंगलुरु।** भारत और श्रीलंका की टीमों यहां शनिवार से एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में गुलाबी गेंद से शुरू हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए बंगलुरु पहुंच गई हैं। दिन-रात्रि के इस मैच में जीत के साथ ही भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा सीरीज को 2-0 से अपने नाम कराना चाहेंगे। भारतीय टीम अगर इस मैच में जीतती है, वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम को पाकिस्तान में हार का सामना करना पड़ता है तो भारतीय टीम आईसीसी टीम रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंच जाएगी। इस मैच में स्पिनर अक्षर पटेल की वापसी से भी भारतीय टीम को लाभ होगा। भारतीय टीम ने अब तक फेरुलु धरती पर गुलाबी गेंद से दो टेस्ट मैच जीते हैं और इन दोनों में ही तेज गेंदबाज सफल रहे थे, ऐसे में अक्षर पटेल का अंतिम ग्यारह में जगह मिलती है या नहीं यह देखना होगा। इंडन गार्डर्स में हुए दिन-रात्रि टेस्ट में बंगलादेश के खिलाफ, तेज गेंदबाजों ने 19 और अहमदाबाद में इंग्लैंड के खिलाफ 28 विकेट लिए थे। वहीं बंगलुरु की पिच पर परिणाम बदल सकता है क्योंकि यहां पहले तीन दिनों में बल्लेबाजों और अंतिम दो दिनों में स्पिनरों को लाभ होता है। भारतीय टीम ने पहले टेस्ट में बड़ी जीत दर्ज की थी, इससे उसका हौसला बढ़ा हुआ है। वहीं दूसरी ओर श्रीलंकाई टीम के लिए सकारात्मक पक्ष यह है कि उसे अब तक विदेशी धरती पर हुए दिन-रात्रि मैच में जीत मिली है।

### युवा कप का अंकुर मैदान गोपाल में हुआ समापन

**भोपाल।** अंकुर खेल मैदान में मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष विवेक त्रिपाठी द्वारा आयोजित करवाये जा रहे युवा कप क्रिकेट टूर्नामेंट का आज समापन हुआ जिसमें फाइनल मैच में राजीव झुहू और सुभाष झुहू के बीच कड़ा मुकाबला हुआ जिसमें राजीव झुहू ने 93 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 8 विकेट से शानदार जीत हासिल कर युवा कप जीता टीम के मेन आफ द सीरीज एवं मेन आफ द मैच दोनों विजयी जागीरदार ने जीता विवेक त्रिपाठी ने बताया कि आज फाइनल मैच के साथ साथ दो स्पेशल मैचों मैचों का आयोजन भी किया गया था जिसमें कोरोना वायरस और लाइफ सेविंग के बीच मुकाबला हुआ जिसमें लाइफ सेविंग ने शानदार जीत दर्ज कर कोरोना वायरस लाइफ सेविंग कप जीता वहीं दूसरे मैच का मुकाबला मेंडिकल विंग और कमेटी के खिलाड़ियों के बीच हुआ जिसमें मेंडिकल विंग के खिलाड़ियों ने जीत दर्ज कर पुरुस्कार जीता। फाइनल मैच के समापन में मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने विजेता राजीव झुहू टीम के खिलाड़ियों को युवा कप देकर सम्मानित किया इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व कैबिनेट मंत्री कमलेश्वर पटेल पूर्व कैबिनेट मंत्री सुखदेव पासे उपस्थित रहे।

### वार्न को श्रद्धांजलि देने काउंटी खिताब जीतना चाहते हैं क्रेन



**लंदन।**

इंग्लैंड की काउंटी टीम हैपशर के लेग स्पिनर मेसन केन ने ऑस्ट्रेलिया के दिवंगत स्पिनर शेन वार्न के प्रति सम्मान प्रकट करने

के लिए 2022 की काउंटी चैंपियनशिप जीतना चाहते हैं। क्रेन वार्न को अपना आदर्श मानते आये हैं। वार्न को देखकर ही उन्होंने खेलना शुरू किया था। क्रेन ने पिछले सत्र में द हेड्ड टूर्नामेंट में लंदन स्पिरिट की ओर से खेला था। तब वार्न उनकी टीम के कोच थे। इंग्लैंड की ओर से साल 2018 में एकमात्र टेस्ट खेलने वाले क्रेन ने

कहा, 'मैं बेहद सम्मानित और भाग्यशाली महसूस करता हूँ कि मुझे वार्न जैसे दिग्गज खिलाड़ी के अनुभवों का फायदा मिला है। उन्होंने कहा, 'मैं उन्हें आदर्श मानते हुए बड़ा हुआ और वह काफी उदार थे। वार्न को इन गीमियों में दोबारा क्रेन के साथ काम करना था पर चार मार्च को थाईलैंड के कोह समुद्र द्वीप में अचानक ही वार्न का निधन हो गया था। क्रेन ने कहा, 'वह लंदन स्पिरिट के मुख्य कोच के रूप में सिर्फ एक सत्र काम कर पाए पर मुझे धरोसा है कि उनके पास सिर्फ मुझे ही नहीं बल्कि टीम के प्रत्येक

### आईसीसी के टेस्ट ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे जडेजा



**दुबई।** भारतीय क्रिकेट टीम के रविंद्र जडेजा आईसीसी ऑलराउंडर्स की टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गये हैं। जडेजा ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में नाबाद 175 रनों की पारी खेलने के साथ ही गेंदबाजी में भी कुल नौ विकेट लिए थे। जडेजा ने पहली पारी में पांच जबकि दूसरी पारी में चार विकेट लिए थे। इसका फायदा उन्हें मिला है और वह सबसे ज्यादा 406 रैंकिंग अंक लेकर विश्व के नंबर एक ऑलराउंडर बन गये हैं। वहीं 382 अंकों के साथ ही वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर दूसरे और 347 अंक लेकर भारत के ही रविचंद्रन अश्विन तीसरे नंबर पर हैं। वहीं बल्लेबाजी रैंकिंग में विराट कोहली और ऋषभ पंत ऊपर आये हैं। मोहली में 96 रनों की पारी खेलने वाले ऋषभ शीर्ष दस बल्लेबाजों में शामिल हो गये हैं। 723 रैंकिंग के साथ ऋषभ 10वें नंबर पर पहुंच गये हैं। वहीं भारत के विराट कोहली 763 रैंकिंग अंक के साथ 5वें और 761 रैंकिंग अंक के साथ रोहित शर्मा छठे स्थान पर हैं जबकि रीज शुरू होने से पहले विराट 7वें पर थे। वहीं आईसीसी बल्लेबाजों की टेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लुबुशेन पहले स्थान पर बने हुए हैं। पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी टेस्ट में लुबुशेन ने 90 रनों की पारी खेली थी। उनके 936 रैंकिंग अंक हो गये हैं। वहीं इंग्लैंड के जो स्टूट दूसरे और ऑस्ट्रेलिया के स्टोव स्मिथ तीसरे नंबर पर हैं। जडेजा को बल्लेबाजी रैंकिंग में भी 17 स्थान का फायदा हुआ है। वह अब 37वें नंबर पर हैं। जडेजा को गेंदबाजी रैंकिंग में भी तीन स्थान का फायदा हुआ है। इसमें वह 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं आईसीसी गेंदबाजों की टेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस 892 रैंकिंग अंक लेकर नंबर एक स्थान पर हैं। वहीं भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन 850 अंकों के साथ ही दूसरे नंबर पर बने हुए हैं जबकि भारत के ही जसप्रीत बुमराह 766 अंक लेकर 10वें नंबर पर हैं।

### होल्डर और बोनेर की साझेदारी से वेस्टइंडीज ने बनाये 202/4



**सेंट जॉस।**

वेस्टइंडीज ने यहां पहले क्रिकेट

समय तक अपनी पहली पारी में चार विकेट पर 202 रन बना लिए थे। बारिश के कारण दूसरे दिन का खेल तय समय से पहले ही समाप्त हो गया। उस समय जैसन होल्डर 43 और एनक्रुमा बोनेर 34 रनों पर खेल रहे थे। इन दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 75 रनों की साझेदारी हुई है। वहीं इस मैच में वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने अपने चार विकेट 127 रनों

पर ही खो दिये थे। इससे पहले आज सुबह इंग्लैंड टीम ने पहले दिन के छह विकेट पर 268 रन से आगे खेलते हुए 311 रन बनाए। जॉनी बेयरस्टॉ 140 रन बनाकर आउट हुए और इंग्लैंड की पारी समाप्त हो गयी। वहीं वेस्टइंडीज की ओर से तेज गेंदबाज जेडेन सील्स ने 79 रन देकर चार विकेट लिए। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज के जेन ब्रेथवैट और जॉन कैपेबेल ने 83 रन की साझेदारी बनायी। कैपेबेल 35 रन बनाकर आउट हुए जबकि वहीं ब्रेथवैट ने 62 गेंद

में ही अर्धशतक लगा दिया पर वह 55 के स्कोर पर मार्क वुड की गेंद पर आउट हुए। शामार ब्रूस को 18 के स्कोर पर वेन स्टोक्स ने अपना शिकार बनाया जबकि जर्मन ब्लैकवुड को 11 रन बनाकर क्रिस वोक्स की गेंद पर आउट हुए। वेस्टइंडीज ने विना विकेट खोये 83 रन बना लिए थे पर इसके बाद उसने अपने चार विकेट 44 रनों के भीतर ही गंवा दिए। इसके बाद होल्डर और बोनेर ने पारी को संभाला। इससे पहले इंग्लैंड ने रात के स्कोर में 43 रन ही जोड़े।

### इस पाकिस्तानी खिलाड़ी के साथ एक टीम में खेलेंगे चेतेश्वर पुजारा



**चेन्नई।** भारतीय टीम से वाहर चल रहे बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा आगामी इंग्लिश काउंटी सत्र में ससेक्स के लिए खेलेंगे जो टीम में ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविंस हेड की जगह लेंगे। क्लब ने वीरवार को कहा कि पुजारा ससेक्स के लिए प्रथम श्रेणी और लिस्ट ए मैच दोनों खेलेंगे। भारत के लिए 95 टेस्ट खेल चुके पुजारा को खराब फॉर्म के कारण वाहर किया गया है। वह इससे पहले यॉर्कशर और नॉटिंगहमशर के लिए इंग्लिश काउंटी चैंपियनशिप खेल चुके हैं। क्लब ने एक बयान में कहा कि ट्रेविंस हेड ने बड़ी हुई अंतरराष्ट्रीय व्यस्तताओं और अपने पहले बच्चे के जन्म के कारण अनुबंध से फारिग करने का अनुरोध किया था जो क्लब ने मान लिया है और 2022 सत्र में उनकी जगह चेतेश्वर पुजारा खेलेंगे। पुजारा पहले मैच से पूर्व ही आ जायेंगे और आरएल 50 (राष्ट्रीय एक दिवसीय चैंपियनशिप) के अंत तक रहेंगे। इंग्लिश काउंटी सत्र सात अप्रैल से शुरू होगा और ससेक्स का पहला मैच 14 अप्रैल को डर्बीशर के खिलाफ है। सत्र सितंबर तक चलेगा। पुजारा श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला खेल रही भारतीय टीम में नहीं है। उनकी घरेलू टीम सोराष्ट्र भी रणजी ट्रॉफी के नॉकआउट चरण में जगह नहीं बना सकी और आईपीएल में उन्हें किसी टीम ने नहीं खरीदा। इसके मायने है कि वह पूरे सत्र में खाली हैं। वहीं पुजारा के साथ पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ससेक्स टीम के साथ खेलेंगे।



# पीएम मोदी आज से दो दिन के गुजरात दौरे पर, भाजपा की भव्यातिभव्य स्वागत की तैयारी



अहमदाबाद।

होनेवाले चुनाव की तैयारियों को लेकर पीएम मोदी भाजपा के सांसद, विधायक और पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठ करेंगे। उत्तर प्रदेश समेत राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद भाजपा के मोडल स्टेट गुजरात पर सभी राजनीतिक दलों की नजर होगी। इसी वर्ष

के अंत में गुजरात विधानसभा के चुनाव भी होने हैं। कोरोनाकाल के दो साल बाद पीएम मोदी पहली बार दो बड़े कार्यक्रमों में शिरकत करने गुजरात आ रहे हैं। पीएम मोदी के भव्यातिभव्य स्वागत की भाजपा तैयारी कर रही है। गुजरात दौरे के पहले दिन 11 मार्च को पीएम मोदी अहमदाबाद एयरपोर्ट से सीधे भाजपा के प्रदेश कार्यालय कमलम में जाएंगे। अहमदाबाद एयरपोर्ट से गांधीनगर के कोबा स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय कमलम तक पीएम मोदी का रोड शो होगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। प्रदेश कार्यालय में पीएम मोदी पार्टी प्रमुख समेत नेता और सांसद-विधायकों के साथ बैठक करेंगे। जिसके बाद अहमदाबाद के जीएमडीसी ग्राउंड में आयोजित सरपंच सम्मेलन में शामिल होंगे। दूसरे दिन 12 मार्च को पीएम मोदी गांधीनगर के वलाद स्थित रक्षा शक्ति यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद अहमदाबाद के सरदार पटेल स्टेडियम में गुजरात खेल महाकुंभ 2022 का शुभारंभ कराएंगे। दूसरी ओर पीएम मोदी के स्टूट और उनके कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जीएमडीसी ग्राउंड में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरपंच सम्मेलन को संबोधित करेंगे। जबकि सरदार पटेल स्टेडियम में पीएम मोदी खेल महाकुंभ का शुभारंभ कराएंगे। सरदार पटेल स्टेडियम में 1 आईजी, 1 डीआईजी, 5 डीसीपी, 9 एसीपी, 35 पीआई, 157 पीएसआई, 615 हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल समेत 822 जवानों को तैनात करने का आदेश दिया गया है। अहमदाबाद के जीएमडीसी ग्राउंड में 1 आईजी, 11 डीसीपी, 15 एसीपी, 48 पीआई, 163 पीएसआई, 1615 हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल समेत कुल 1853 जवानों को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा अहमदाबाद एयरपोर्ट पर 1 आईजी, 3 डीसीपी, 4 एसीपी, 12 पीआई, 50 पीएसआई, 800 हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल समेत कुल 810 के अलावा 1 ट्रैफिक के आईजी, 5 डीसीपी, 10 एसीपी, 29 पीआई, 60 पीएसआई, 1900 हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल समेत कुल 2005 पुलिसकर्मियों की तैनात किया गया है।

# दिल्ली और पंजाब के बाद गुजरात की जनता भी 'आप' को एक मौका देगी : इशुदान गढवी



अहमदाबाद। देश की राजधानी दिल्ली और सीमावर्ती राज्य पंजाब के बाद अब गुजरात की जनता आम आदमी पार्टी (आप) को आगामी विधानसभा चुनाव में एक मौका जरूर देगी। यह कर्ना है गुजरात आप के नेता इशुदान गढवी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों ने आप को मौका दिया तो वहां शिक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार हुआ। बिजली मुफ्त देने के बावजूद दिल्ली सरकार के बजट में घाटा नहीं बल्कि मुनाफा हो रहा है। इसी प्रकार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर भरोसा कर पंजाब में आप को बंपर जीत दिलाई है और वहां भी दिल्ली मॉडल लागू होगा। गढवी ने कहा

कि 27 साल कांग्रेस और 27 वर्ष भाजपा का शासन गुजरात की जनता देखा है। गुजरात की जनता भी अगर आप को अवसर देगी तो पता चलेगा कि सरकार कैसे चलती है। गौरतलब है गुजरात में पिछले साल हुए महानगर और नगर पालिका चुनावों में सभी बड़े शहरों में अपने उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था। लेकिन उसे सफलता केवल सूरत में मिली, जहां उसने नगर निगम की 28 सीटें जीत कर कांग्रेस का विपक्षी पद हासिल कर लिया था। सूरत नगर निगम के चुनाव में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुला। पंजाब विधानसभा चुनाव में बंपर जीत के बाद गुजरात आप के नेता और कार्यकर्ता गद गद हैं और आगामी गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर उत्साहित हैं।

## 17 वर्षीय नाबालिग लड़की 14 साल के किशोर को भगा ले गई, लौटकर बताया हमने शारीरिक संबंध बनाए

सूरत।

20 दिन पहले प्यार ना उम्र देखा है और न ही सूरत, जो अच्छे लगे बस उसी से प्यार हो जाता है। सूरत में ऐसी ही एक घटना सामने आई है, जिसमें 17 वर्षीय नाबालिग लड़की 14 साल के एक किशोर को लेकर भाग गई। लौटकर जब आई तो माता-पिता को बताया कि उसने किशोर के साथ शारीरिक संबंध बनाए थे। जिसे सुनकर माता-पिता के पैरों तले जमीन खिसक गई। लड़की के पिता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर किशोर को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक सूरत के वराछा क्षेत्र में रहनेवाली 17 वर्षीय लड़की



लापता हो गई थी। उसके पिता ने बेटी के अपहरण की शिकायत स्थानीय पुलिस थाने में दर्ज करवा दी थी। हालांकि बाद में लड़की खुद घर वापस आ गई। बेटी के लौटने पर माता-पिता खुश हुए, लेकिन यह खुशी उस समय हवा हो गई जब उसने बताया कि वह किसके साथ भाग गई थी। लड़की ने बताया कि वह फट्टपाथ पर रहनेवाले 14 साल के किशोर के साथ भाग गई थी। इतना ही नहीं लड़की ने यह भी

## यात्रियों की सुविधा के लिए पश्चिम रेलवे का स्पेशल विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय

अहमदाबाद।

होली त्योहार 2022 के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त संख्या के मद्देनजर पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस से बरीनी, अजमेर एवं गोरखपुर के लिए स्पेशल ट्रेनें (Holi special trains) चलाने का निर्णय लिया गया है। ये स्पेशल ट्रेनें विशेष क्रियाएं पर (केवल आरक्षित डिब्बे) चलाई जाएंगी पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित खरु द्वारा जारी प्रेस विज्ञापन के अनुसार उपरोक्त ट्रेनें (Holi special trains) का विवरण इस प्रकार है:-

ट्रेन संख्या 09061/09062

बांद्रा टर्मिनस-बरीनी जं. स्पेशल (2 फेरे) ट्रेन संख्या 09061 बांद्रा टर्मिनस-बरीनी जं. स्पेशल ट्रेन मंगलवार, 15 मार्च, 2022 को बांद्रा टर्मिनस से 11:00 बजे प्रस्थान करेगी और गुल्वार को 06:00 बजे बरीनी जंक्शन पहुंचेगी। इसी प्रकार ट्रेन (Holi special trains) संख्या 09062 बरीनी जं.- बांद्रा टर्मिनस स्पेशल ट्रेन गुल्वार, 17 मार्च, 2022 को बरीनी जं. से 22:30 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को 17:50 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरोवली, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, गंगापुर्सिटी, भरतपुर, अछनेरा, मथुरा, कासगंज, फर्रुखाबाद, कानपुर सेंट्रल,

लखनऊ, सुल्तानपुर, जौनपुर सिटी, वाराणसी, पं दीनदयाल उपाध्याय जं, बक्सर, आरा, पाटलिपुत्र एवं हाजीपुर स्टेशनों पर स्केगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच हैं।

ट्रेन संख्या 09622/09621 बांद्रा टर्मिनस-अजमेर जं. सुपरफास्ट स्पेशल (4 फेरे) ट्रेन संख्या 09622 बांद्रा टर्मिनस-अजमेर जं. सुपरफास्ट स्पेशल सोमवार, 21 एवं 28 मार्च, 2022 को बांद्रा टर्मिनस से 11:15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:10 बजे अजमेर जंक्शन पहुंचेगी। इसी प्रकार ट्रेन (Holi special trains) संख्या 09621 अजमेर

बांजे गोरखपुर पहुंचेगी। इसी प्रकार ट्रेन (Holi special trains) संख्या 05403 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल शुक्रवार, 11, 18 और 25 मार्च, 2022 को गोरखपुर से 05:00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 16:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन (Holi special trains) दोनों दिशाओं में बोरोवली, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर जयपुर एवं किशनगढ़ स्टेशनों पर स्केगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच हैं।

ट्रेन संख्या 05404 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर स्पेशल शनिवार, 12, 19 और 26 मार्च, 2022 को बांद्रा टर्मिनस से 19:25 बजे प्रस्थान करेगी और सोमवार को 06:25 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इसी प्रकार ट्रेन (Holi special trains) संख्या 05403 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल शुक्रवार, 11, 18 और 25 मार्च, 2022 को गोरखपुर से 05:00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 16:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन (Holi special trains) दोनों दिशाओं में बोरोवली, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, गंगापुर्सिटी, भरतपुर, अछनेरा, मथुरा, कासगंज, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंड, बांजे और खलीलाबाद स्टेशनों पर स्केगी। इस ट्रेन में द्वितीय श्रेणी के सामान्य कोच होंगे।

## सुमुल डेयरी नवनिर्मित सत्व फोर्टिफाइड के साथ-साथ चक्की आटा प्लांट और मॉडर्न बटर का उद्घाटन



सूरत। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमिताभ शहा की प्रेरक उपस्थिति में 13 मार्च 2022 को तापी जिले के बाजीपुरा में 'सहयोग से समृद्धि' सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। जिसमें सुमुल डेयरी द्वारा नव निर्मित सत्व फोर्टिफाइड के साथ-साथ चक्की आटा प्लांट का उद्घाटन किया जाएगा। नए पारडी में आधुनिक बटर कोल्ड स्टोरेज के साथ पावर वेयर हाउस की आधारशिला रखी जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल, सहकार मंत्री श्री जगदीशभाई पंचवाल, गृह राज्य मंत्री श्री मुकेशभाई पटेल, सांसद एवं राज्य अध्यक्ष श्री सी.आर. पाटिल उपस्थित रहेंगे।



सुमुल डेयरी सूरत में मीडियाकार्मियों के साथ नियोजित सम्मेलन के संबंध में अध्यक्ष मानसिंह पटेल ने एक संवाद में कहा कि जैविक सच्चिन्धों और अनाज की खेती निकट भविष्य में सुमुल पार्लर के माध्यम से ग्राहक ताकि किसानों को बेहतर मूल्य मिल सके अगला कदम सीधे बेचना है। उन्होंने सुमुल डेयरी के सदस्यों और डेयरी विकास से संबंधित मीडिया कर्मियों को संचालन, सहायता प्रदान करना सूचित किया। निकट भविष्य में सुमुल डेयरी द्वारा किए जाने वाले विकास कार्यों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया।

## पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों से गुजरात भाजपा और आप में उत्सव

अहमदाबाद।

पांच राज्यों की चुनावों में भाजपा के उत्साहजनक प्रदर्शन के बाद गुजरात भाजपा की ओर से उत्सव मनाया गया है। गांधीनगर स्थित कमलम व अहमदाबाद स्थित भाजपा कार्यालय में उत्सव का माहौल दिखाई दिया। वहीं दूसरी ओर पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) के शानदार प्रदर्शन का देख गुजरात में पार्टी के कार्यकर्ता भी उत्साहित हो गए। अहमदाबाद में आम आदमी पार्टी कार्यालय पर पंजाब की जीत को लेकर पटाखे छोड़े व ढोल-नगारे बजाकर और प्रदेश भाजपा कार्यालय कमलम में भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं की ओर से गरबा कर भाजपा की जीत का उत्सव मनाया। वहीं अहमदाबाद के खानपुर स्थित भाजपा कार्यालय पर भी पटाखा छोड़े और रंगों की होली खेल गाजे

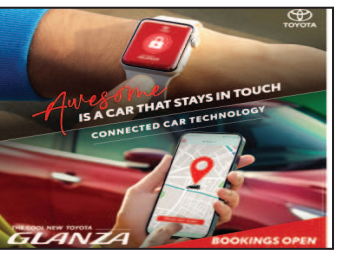


जित का जश्न मनाया। वहीं दूसरी ओर पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) के शानदार प्रदर्शन का देख गुजरात में पार्टी के कार्यकर्ता भी उत्साहित हो गए। अहमदाबाद में आम आदमी पार्टी कार्यालय पर पंजाब की जीत को लेकर पटाखे छोड़े व ढोल-नगारे बजाकर और प्रदेश भाजपा कार्यालय कमलम में भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं की ओर से गरबा कर भाजपा की जीत का उत्सव मनाया। वहीं अहमदाबाद के खानपुर स्थित भाजपा कार्यालय पर भी पटाखा छोड़े और रंगों की होली खेल गाजे

## टोयोटा किलोस्कर मोटर ने बहुप्रतीक्षित कूल न्यू टोयोटा ग्लैंजा की 'बुकिंग की शुरुआत' की घोषणा की

बैंगलूर। टोयोटा किलोस्कर मोटर (टोकेएम) ने आज 9 मार्च 2022 से अपनी बहुप्रतीक्षित पेशाकू कूल न्यू टोयोटा ग्लैंजा के लिए बुकिंग्स शुरू की हैं। भारत में सबसे किफायती टोयोटा, कूल न्यू ग्लैंजा मूल्य चाहने वाले ग्राहकों और पहली बार के टोयोटा ग्राहकों के लिए स्ट्राइकल और स्पॉर्ट डिजाइन को लक्षित करने वाले अपने गतिशील लुक को मदद से अद्वितीय टोयोटा पहचान व्यक्त करती है। कूल न्यू ग्लैंजा मैन्युअल (एमटी) के साथ-साथ ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन (एमएट) दोनों में उपलब्ध होगी और यह एक शक्तिशाली लेकिन ईंधन कुशल, 'के-सीरीज इंजन' से लैस है। 66 किलोवाट (89 पीएस) की शक्ति के साथ, नया ग्लैंजा बेहतर ड्राइविंग अनुभव देने के लिए एक नया, बेहतर और कुशल गैसोलिन इंजन का दावा करता है। टोयोटा वाले होने के शानदार अनुभव पर बधाई देने के लिए बनाई गई, शानदार नई ग्लैंजा कार और टोयोटा से कनेक्ट करने के लिए कई कनेक्टेड सुविधाओं से लैस हुई है। ये सुविधाएँ इस तरह से डिजाइन की गई हैं कि ग्राहकों को बदल देंगे और उन्हें सुविधा देंगी। इस प्रकार यह एक अनूठे विकल्प है, खासकर मिलेनियल्स के लिए जो पहली बार टोयोटा खरीदार भी हैं। आसान और नए जमाने का हेड-अप डिज़ाइन, 360-डिग्री कैमरा और इन्फोटेन्ट सिस्टम एक स्मार्ट फोन (Apple और Android) के माध्यम से नियंत्रण

को अनुमति देता है। टोयोटा के डिजाइनरों द्वारा विशेष रूप से डिजाइन की गई, कूल न्यू ग्लैंजा में टोयोटा की खास फंटे फेशिया इसकी उन्नत कनेक्टेड तकनीक और किफायती रूपांतरों के साथ यह स्टाइल चाहने वाले ग्राहकों के लिए सही विकल्प बनाता है। इसके अलावा, सुरक्षा खासियतों के मामले में, कूल न्यू ग्लैंजा में ऐसी सुरक्षा खासियतें हैं जो कूल न्यू ग्लैंजा को 6 एयर बैग के साथ सुरक्षा को एक पायदान ऊपर ले जाती है। बुकिंग की शुरुआत के मौके पर अपने विचार साझा करते हुए, श्री अतुल सूद, एसीएसएट वाइस प्रेसिडेंट, सेल्स एंड स्ट्रेटिजिक मार्केटिंग, टोकेएम ने कहा, चर्च में आप के समक्ष कूल न्यू ग्लैंजा को पेश करते हुए खुशी महसूस कर रहा हूँ। इसे विशेष रूप से उन लोगों के लिए बनाया गया है जो उन्नत पर अभी तक एक किफायती विकल्प तलाश रहे थे। पिछले कुछ वर्षों के दौरान टोयोटा ग्लैंजा पर भरोसा और विश्वास रखने के लिए हम अपने ग्राहकों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करते हैं। 2019 में टोयोटा ग्लैंजा को लॉन्च करना, टोयोटा की भारत यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पथथ था क्योंकि यह उपाय दवा की तरह टोयोटा के कई खरीदारों और जीन्यू टोयोटा ग्राहकों को एक साथ लाया विशेष रूप से टिप्पण II और III बाजारों के।



टोयोटा ग्लैंजा ने अभी तक 66,000 से अधिक यूनिट्स की बुकिंग की है। यह इस बात का प्रमाण है कि टोयोटा का भारतीय कार खरीदारों के लिए बहुत किफायती और सुलभ बन गई है। शानदार और आकर्षक नई ग्लैंजा के साथ, हम ग्राहकों की सुविधा में सुधार और बेहतर विक्री और विक्री के बाद सेवाओं को सुनिश्चित करने के लिए सर्वोत्तम ग्राहक अनुभव और सर्वोत्तम सामर्थ्य प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे। टोयोटा कूल न्यू ग्लैंजा की बुकिंग 9 मार्च 2022 से 11,000 रुपये देकर ग्राहक द्वारा www.toyotabharat.com पर ऑनलाइन या अपने नजदीकी टोयोटा डीलरशिप से की जा सकती है। अधिक जानकारी के लिए ग्राहक www.toyotabharat.com पर लॉग ऑन कर सकते हैं।

## मार्स रिग्ली ला रहे हैं भूख मिटाने का शाही अंदाज़, स्निकर्स केसर पिस्ताह के साथ

नेशनल। मार्स रिग्ली ने खासतौर से भारतीय ग्राहकों के लिए पेश नए वेरिएंट्स की कामयाबी के मद्देनजर एक बार फिर एक अनूठी पहल करते हुए अपना नया और बहु-प्रतीक्षित चॉकलेट ब्रैंड स्निकर्स0पेश किया है, और अपने पोटेंशियलियों में विस्तार करते हुए ऐसे ट्रीट्स और खै कस शामिल किए हैं जिन्हें भारत न सिर्फ पसंद करता है बल्कि इनकी तारीफों के पुल बांधने से भी पीछे नहीं हटता। अब नए स्निकर्स0केसर पिस्ताह में है है शाही मसाले यानी केसर का स्वाद, और साथ में है शाही मेवा झू पिस्ता, यानी ऐसा जवर्दस्त मेल जो भारत के विभिन्न राज्यों में मिलने वाली अनेक मिठाइयों और डेज़र्ट्स में काफी पसंद किया जाता है। मार्स रिग्ली ने दुनियाभर में पसंद किए जाने वाले तरह-तरह के ब्रैंड्स जैसे गैलेक्सी 0,

स्निकर्स0, बांटॉ0, एम एंड एम0, स्किटलेस0, ऑर्बिट0, डब्लुमिंट0, बूमर0 आदि के विस्तृत पोटेंशियलियों के जरिए अपनी पहचान बनायी है, और यह पहले भी स्निकर्स0के अनेक 'मैड फॉर इंडिया' वेरिएंट पेश कर चुकी है, जिनमें कैशू और फ्रूट एंड नट को ग्राहकों ने बेहद पसंद किया है। ब्रैंड को खास पहचान और रोचक कैम्पे न के चलते पहले से ही काफी लोकप्रिय रह चुके स्निकर्स0केसर पिस्ता को टैग लाइन 'हंगर का रॉयल सॉल्यूशन' के साथ पेश किया जा रहा है, और इसने ब्रैंड के इस ग्लोबल संदेश को आगे बढ़ाया है कि 'यू आर नॉट यू वैन यू आर हंगरी'। यह नया वेरिएंट स्निकर्स0रेज में लिमिटेड-एडिशन के तौर पर लाया गया है और भारत में केसर पिस्ता तथा चॉकलेट को लोकप्रियता के दम पर आगे बढ़ेगा।

इससे पहले, 2019 में आलमांड, 2020 में कैशू और बटरस्कांच तथा 2021 में फ्रूट एंड नट जैसे सफल वेरिएंट लॉन्च किए जा चुके हैं। पिछले वेरिएंट्स को मिले जवर्दस्त रिस्पॉन्स इस बात का सबूत है कि ऐसे ही नए लोकल फ्लेवर्स लॉन्च करने का समय आ चुका है जिन्हें भारत पसंद करता है, और यह लॉन्च मार्स रिग्ली की भारतीय बाजार के प्रति प्रतिबद्धता की दिशा में बढ़ाया गया कदम है। स्निकर्स0 केसर पिस्ता के लॉन्च के मौके पर, श्री वरुण कंधारी, मार्केटिंग डायरेक्टर, मार्स रिग्ली0, इंडिया ने कहा, चम्मच रिग्ली, इंडिया में हमारा प्रयास ऐसे करोड़ों बेहतर पलों को तैयार करना है जिनकी बौद्धिक दुनिया को मुस्कुराने का मौका मिल सके और हम दुनियाभर में पसंद किए जाने वाले अपने ब्रैंड्स के नए तथा रोचक

वेरिएंट्स पेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि भारत में ग्राहकों की पसंद के अनुरूप विकल्पों को उपलब्ध कराया जा सके। हमारी पिछली पेशाकू भी सफल रही है और हम आगे भी अपने पोटेंशियलियों में विस्तार करना जारी रखते हुए स्निकर्स0के कदमों के बीच ब्रैंड को लोकप्रियता कायम रखने का प्रयास करते रहेंगे। हमें नया वेरिएंट पेश करते हुए खुशी है और पूरा यकीन है कि भारत में केसर पिस्ता को पसंद किए जाने के मद्देनजर, यह कदमों के लिए खुशियों का कारण बनेगा। स्निकर्स0केसर पिस्ताह को पारंपरिक तथा आधुनिक ट्रेड आइडेंटिफायर पर रू30 और रू50 की कीमत में उपलब्ध कराया जाएगा। इस लॉन्च को डिजिटली प्रचारित करने की योजना है और इसे यहाँ ब्रैंड के हैडल पर भी देखा जा सकता है।

स्वास्थ्य अधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशिप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना, सूरत ( गुजरात ) प्रिन्टर्स- भूनेश्वर प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ल रोड ( गुजरात ) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशिप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना, सूरत ( गुजरात ) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, ( न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा )